।। श्री गणेशाय नमः।। ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, सूर्य कोटि सम प्रभः । निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ।।

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
कापी राईट नं. L-123018/2023
प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

(11 पौष से 11 माघ शकः 1946)
(30 जमादि उल सानि से 1 सावान हिजरी सन् 1446)

जनवरी 2025

(पौष शुक्ल २ से माघ शुक्ल २ तक)
(विक्रम संवत् २०८१, शिशिर ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	5 — पूर्वाभाद्र 20-18, रवियोग, राजयोग, सर्वार्थसिद्धियोग 20-18 से, पंचक, व्यतिपात पुण्यं	12 — मृगशिर 11-24, स्वा. विवेकानन्द ज., पौष शु. चतुर्दशी	19 — उत्तराफाल्गुन 17-30, रवियोग 17-30 से, सर्वार्थसिद्धियोग, माघ कृष्ण पंचमी	26 — ज्येष्ठा 8-26, गणतंत्र दिवस, सर्वार्थसिद्धियोग, माघ कृ. द्वादशी	
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	6 — उत्तराभाद्र 19-06, गु. गोविंद सिंह ज., पंचक, पौष शुक्ल सप्तमी	13 — आर्द्रा 10-38, रवियोग, कुमारयोग, पौषी पू., शाकंभरी पू., लोहड़ी (काश्मी.)	20 — हस्त 20-30, माघ कृष्ण छठ	27 — मूल 9-02, सोम प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि, आदिनाथ निर्वाण दि. (जैन)	
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	7 — रेवती 17-50, भौमाष्टमी, पंचक 17-50 तक, दुर्गाष्टमी, शाकंभरी देवी नवरात्रा प्रा.	14 — पुनर्वसु 10-17, धनु मलमास पू., मकर संक्रांति पर्व, पोंगल (द.भा.), हजरत अली जन्म दि. (मु.)	21 — चित्रा 23-36, भार. माघ प्रा., स्वा. विवेकानंद ज., कालाष्टमी, द्विपुष्कर 12-40 तक	28 — पूर्वाषाढ 8-58, माघ कृष्ण १४, रटंती कालिका पूजन	
बुधवार Wednesday बुध	1 — उत्तराषाढ 23-46, नव वर्ष दिवस, पौष शुक्ल द्वितीया	8 — अश्विनी 16-29, पौष शुक्ल नवमी	15 — पुष्य 10-28, थल सेना दिवस, माघ कृ. द्वितीया	22 — स्वाती 26-34, माघ कृष्ण अष्टमी	29 — उत्तराषाढ 8-20, श्रवण 31-15, द्वापर युगादि, देवपितृकार्य, मौनी अमा.
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	2 — श्रवण 23-10, रवियोग 23-10 से, पौष शुक्ल तृतीया	9 — भरणी 15-07, रवियोग 15-07 तक, प्रवासी भारतीय दि., शांब दशमी, सूर्य पूजा (उ.)	16 — अश्लेषा 11-16, सौभाग्य सुंदरी व्रत, माघ कृष्ण तृतीया	23 — विशाखा 29-08, सर्वार्थसिद्धियोग, ने. सुभाष चंद्र बोस ज.	30 — धनिष्ठा 29-50, कुष्ठ निवारण दि., श्री वल्लभ ज., गुप्त नवरात्रा प्रा., मे. मस्तुआणां (पंजाब)
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	3 — धनिष्ठा 22-22, रवियोग 22-22 तक, विनायक चतुर्थी, पंचक 10-47 से	10 — कृतिका 13-45, विश्व हिन्दी दि., पौष शु. ११, पुत्रदा एकादशी व्रत	17 — मघा 12-45, तिलकुटा चौथ व्रत, संकष्ट चौथ, माघ कृष्ण चतुर्थी	24 — अनुराधा 31-07, सर्वार्थसिद्धियोग, रा. बालिका दि., माघ कृष्ण दशमी	31 — शतभिषा 28-14, पंचक, रवियोग, माघ शु. द्वितीया
शनिवार Saturday शनीचर	4 — शतभिषा 21-23, पंचक, रवियोग 21-23 से, पौष शुक्ल पंचमी	11 — रोहिणी 12-29, रोहिणी व्रत (जैन), लाल बहादुर शास्त्री पुण्य., शनि प्रदोष व्रत, ऊँट महोत्सव 2 दिन (बीका.)	18 — पूर्वाफाल्गुन 14-51, माघ कृष्ण पंचमी	25 — ज्येष्ठा 32-26, षट्तिला एका. व्रत, भार. मतदाता, पर्यटन दि., माघ कृ. एकादशी	

कुंभ महापर्व इलाहाबाद
दि. 29 जनवरी को कुंभ महापर्व का योग है, कुंभ महापर्व में निम्न तारीखों पर प्रमुख स्नान होंगे– जनवरी– 10,13,25,27 फरवरी– 4,5,8,9,12,24,26

शाही स्नान की तारीखें
14, 29 जनवरी, 2 फरवरी

शुभ विवाह मुहूर्त
16,17,18,19,21,22,30
(विवाह मुहूर्त का विस्तृत विवेचन सितम्बर माह के पीछे देखें)

गृहारंभ (नींव) मुहूर्त
15, 22, 31 जनवरी

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त
15, 20, 22, 31 जन.

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त
18, 20, 23 जनवरी

देव प्रतिष्ठा मुहूर्त
15, 19, 22, 31 जन.

व्यापार प्रारंभ मुहूर्त
15, 18, 19, 20 जन.

उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त
15, 16, 19 जनवरी

ता. याददास्ती
1...... 2...... 3...... 4...... 5...... 6...... 7...... 8...... 9...... 10...... 11...... 12...... 13...... 14...... 15...... 16...... 17...... 18...... 19...... 20...... 21...... 22...... 23...... 24...... 25...... 26...... 27...... 28...... 29...... 30...... 31......

दुकान की छुट्टी व समय छूट
2. से 10. मे. उर्स (अजमेर)
14. मकर संक्रांति
26. गणतन्त्र दिवस

आवश्यक सूचना– यह ''किशोर जंत्री पंचांग'' भारत सरकार द्वारा कॉपी राइट नम्बर L-123018/2023 से रजिस्टर्ड है, अतः इसकी या इसके किसी भी अंश की PDF बनाना या नकल करना गैर कानूनी है।

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए ''किशोर जंत्री (पंचांग)'' ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें– ''सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन''

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
1. नव वर्ष दिवस (ऐच्छिक)	26. गणतंत्र दिवस	1. नव वर्ष दिवस	1. से 5. शीतकालीन अवकाश	1. नव वर्ष दिवस (ऐच्छिक)
6. गुरू गोविंद सिंह जयंती		6. गुरू गोविंद सिंह जयंती (ऐच्छिक)	6. गुरू गोविंद सिंह ज. (अव., उ.)	6. गुरू गोविंद सिंह ज. (ऐच्छिक)
13. लोहड़ी (ऐच्छिक)		26. गणतंत्र दिवस	12. स्वामी विवेकानंद ज. (उत्सव)	14. मकर संक्रांति/माघबिहु (ऐच्छिक)
26. गणतंत्र दिवस			14. मकर संक्रांति (उत्सव)	14. हजरत अली जन्मदिन/पौंगल (ऐ.)
			23. नेताजी सुभाष जयंती (उत्सव)	26. गणतन्त्र दिवस
			24. रा. बालिका दिवस (उत्सव)	
			26. गणतन्त्र दिवस (अव., उत्सव)	
			30. महात्मा गांधी शहीद दिवस (प्रातः 11 बजे 2 मिनट का मौन)	

नोट:– 14 जनवरी तक मीन मल मास रहेगा। मलमास में शुभ कार्य करना वर्जित माना गया है।

नव वर्ष शुभ एवं समृद्धि कारक हो

HAPPY NEW YEAR

विशेष सूचनाः– ''श्री जयमार्तण्ड पंचांग'' जिसमें सभी प्रकार के विस्तृत आवश्यक मुहूर्त वार्षिक तथा (विवाह मुहूर्त 2 वर्ष के), दैनिक ग्रह स्पष्ट, दैनिक लग्न सारिणी, दिन के श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय, वार्षिक राशिफल, व्यापार भविष्य एवं विविध जनोपयोगी जानकारी के साथ भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त वेध सिद्ध दृश्य गणित से हमारे द्वारा प्रकाशित होकर सर्वत्र उपलब्ध है।

नोटः– राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार व अन्य घोषित किये गये अवकाशों के लिये विभाग, विभागीय गजट से मिलान कर आवश्कता अनुसार संशोधन कर लेवें। माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार को सिविल कोर्ट व बैंक में अवकाश रहेगा।

विशेष सूचना– मकर संक्रांति के शुभावसर पर ''सवाई जयपुर पंचांग'' अति आवश्यक जानकारी के साथ लागत मूल्य पर सर्वत्र उपलब्ध है। छपा मूल्य– 75 रुपये

अधिकृत थोक विक्रेता :– ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशक:– किशोरी शरण एण्ड संस

Composing By: Saurabh

श्री गणेश जी का जप मंत्र :– ॐ गं गणपतये नमः।। (इस मंत्र के जप करने से सर्व विघ्न कष्ट दूर होकर सुख सम्पत्ति की वृद्धि होती है। यह बड़ा ही चमत्कारी मंत्र है।)

किसी भी मत मतांतर के लिये प्रकाशक/संपादक किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है, स्वविवेक से निर्णय लें।

मूल्य 20 रूपया मात्र

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादकः अशोक अग्रवाल
(12 माघ से 9 फाल्गुन शाकः 1946)
(2 सावान से 29 सावान हिजरी सन् 1446)

कापी राईट नं. L-123018/2023

प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

फरवरी 2025

(माघ शुक्ल ३ से फाल्गुन शुक्ल १ तक)
(विक्रम संवत् २०८१, शिशिर-बसंत ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

देखने की विधिः- प्रत्येक दिन ऊपर की लाईन में नक्षत्र का नाम व समाप्ति काल स्टैण्डर्ड समय में लिखा गया है। जैसे 3 फरवरी को रेवती नक्षत्र 23-17 अर्थात् रात्रि के 11-17 तक है उसके बाद अश्विनी नक्षत्र प्रारंभ हो जायेगा। जिस दिन चंद्रमा अपनी राशि बदलता है, उसका नाम व प्रवेश समय बायीं ओर लिखा है। जैसे 3 फरवरी को मेष चंद्र 23-17 अर्थात् रात्रि के 11-17 से प्रारंभ होगा इससे पूर्व मीन का चंद्रमा जानना चाहिए। इसी प्रकार जिस दिन भद्रा होती है उस दिन दाहिनी ओर भद्रा का समय भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम में दिया गया है।

संपूर्ण भारत में समय गणना अर्द्धरात्रि 0 से 12 बजे बाद 13 से 24 तक, 24 घंटा से अधिक होने पर 24 घंटा कम करके अगले दिन का समय जानें।

गृहारंभ (नींव) मुहूर्त
10,19,20,21 फरवरी

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त
3,6,10,14,15,17, 19,20,21,28 फरवरी

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त
6,7,10,14,15,17, 19,20,21 फरवरी

व्यापार प्रारंभ मुहूर्त
2, 3, 7, 10, 15, 17, 20, 21 फरवरी

वार				
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	**2** उत्तराभाद्र 24-52 बसंत पंचमी सर्वार्थसिद्धियोग वागीश्वरी ज. दस्तकार दि. रविकर्म महोत्सव, पंचक भद्रा 9-15 तक सरस्वती पू. तक्षक पू. श्री पंचमी ४-५ रवियोग 24-52 से	**9** आर्द्रा 17-53 भीष्म द्वादशी त्रिपुष्कर 17-53 से १२ माघ शुक्ल द्वादशी	**16** हस्त 28-31 चंद्रोदय 21-45 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 28-31 तक चतुर्थी व्रत ४ फाल्गुन कृ.चतुर्थी	**23** मूल 18-42 गाडगे महाराज ज. सर्वार्थसिद्धियोग 18-42 तक स्वा.दयानंद ज. भद्रा 13-56 तक १० फाल्गुन कृ.दशमी
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	**3** रेवती 23-17 रवियोग 23-17 तक मेष चंद्र 23-17 विश्वेश्वरानंद ज. कुमारयोग 23-17 से पशु मेला प्रा.(नागौर) शीतला षष्ठी(बं.) ६ पंचक 23-17 तक	**10** पुनर्वसु 18-01 गु.गोरखनाथ ज. गु.हरिराय ज.(प्रा.मत) कर्क चंद्र 11-56 मरु महोत्सव(जैसलमेर) मे.पंचखंडेश्वर पीठ विश्वकर्मा ज. १३ सोम प्रदोष व्रत	**17** चित्रा 31-35 तुला चंद्र 18-02 ५ फाल्गुन कृ.पंचमी	**24** पूर्वाषाढ 18-59 व्यतिपात पुण्यं मकर चंद्र 24-56 विजया एका.व्रत ११ फाल्गुन कृ.एकादशी
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	**4** अश्विनी 21-49 सूर्य रथ सप्तमी आरोग्य अचला सप्तमी मे.तामड़िया भैरूजी चंद्रभागा सप्तमी(उ.) अरुणोदय स्नान(गंगा) मर्यादा महोत्सव(जैन) भद्रा 26-31 से ७ वि.कैंसर दि. देवनारायण, नवल मातंग ज.	**11** पुष्य 18-34 रवियोग 18-34 तक जिनेन्द्र रथयात्रा(जैन) अग्नि उत्सव(उ.) भद्रा 18-56 से 31-06 तक वि.विवाह दि. १४ स्वा.रामचरण, ललिता ज.	**18** चित्रा 7-35 रवियोग 7-35 से बसंत ऋतु प्रा. ६ फाल्गुन कृ.छठ्	**25** उत्तराषाढ 18-30 भौम प्रदोष व्रत त्रिपुष्कर 12-48 तक १२ फाल्गुन कृ.द्वादशी
बुधवार Wednesday बुध	**5** भरणी 20-33 रवियोग 20-33 से वृष चंद्र 26-16 सर्वार्थसिद्धियोग दुर्गाष्टमी, भीष्माष्टमी भद्रा 13-32 तक बुधाष्टमी ८ माघ शुक्ल अष्टमी	**12** अश्लेषा 19-35 सिंह चंद्र 19-35 मे.वेणेश्वर, माघ स्नान मरू महोत्सव पू. गु.रविदास, भैरवी ज. कुम्भ संक्रां. माघी पू. १५ होलिका रोपण, सत्यव्रत	**19** स्वाती 10-39 रवियोग 12-24 से वृश्चिक चंद्र 30-49 गोखले पु.दि. भद्रा 7-32 से 20-48 तक शिवाजी ज. ६ फाल्गुन कृ.छठ्	**26** श्रवण 17-23 वीर सावरकर पु.दि. पंचक 28-37 से कुंभ चंद्र 28-37 वैद्यनाथ ज. कृतिवासेश्वर दर्शन भद्रा 11-09 से 22-06 तक महाशिवरात्रि १३ फाल्गुन कृ.त्रयोदशी
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	**6** कृत्तिका 19-29 रवियोग 19-29 से यमघंट 19-29 तक श्री हरि जयंती पशु मेला पू.(नागौर) गुप्त नवरात्रा पू. महानंदा नवमी ९ माघ शुक्ल नवमी	**13** मघा 21-07 शब ए बारात(मु.) वि.रेडियो दि. १ फाल्गुन कृ.प्रतिपदा	**20** विशाखा 13-30 राष्ट्रीय फाल्गुन प्रा. सर्वार्थसिद्धियोग 13-30 से श्रीनाथजी पाटोत्सव (नाथद्वारा) कालाष्टमी ७ फाल्गुन कृ.सप्तमी	**27** धनिष्ठा 15-43 मु.वासुदेव ज. माघी मावस(द.भा.) देवपितृकार्य अमा. पंचक द्वापर युगादि, मन्वादि १४-३० शिव खप्पर पूजा
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**7** रोहिणी 18-40 रोहिणी व्रत(जैन) मिथुन चंद्र 30-21 यमघंट 18-40 तक भु.अजितनाथ ज.(जैन) कुमारयोग, रवियोग १० गुप्त नवरात्रोत्थापन	**14** पूर्वाफाल्गुन 23-09 कन्या चंद्र 29-44 राजयोग 23-09 तक सेंट वेलेंटाइन डे २ फाल्गुन कृ.द्वितीया	**21** अनुराधा 15-54 सर्वार्थसिद्धियोग 15-54 तक विश्व मातृभाषा दि. जानकी जन्मदिन सीताष्टमी ८ फाल्गुन कृ.अष्टमी	**28** शतभिषा 13-40 कुमारयोग मीन चंद्र 29-58 डॉ.राजेन्द्र प्रसाद पु.ति. राष्ट्रीय विज्ञान दि. पंचक १ फाल्गुन शु.प्रतिपदा
शनिवार Saturday शनीचर	**1** पूर्वाभाद्र 26-33 रवियोग 26-33 तक मीन चंद्र 20-58 मे.मस्तुआणा पू.(पं.) विनायक चतुर्थी पंचक गणेश पू.(बं.) भद्रा 22-27 से वरद, तिल, कुन्द चतुर्थी ३ गौरी तृतीया व्रत माघ शुक्ल तृतीया	**8** मृगशिर 18-07 रवियोग 8-49 तक भैमी एका.(बं.) जया एका.व्रत द्वि.शनिवार मे.बेणेश्वर प्रा.(डूंगरपुर) भद्रा 8-49 से 20-16 तक वैधृति पुण्यं ११ माघ शु.एकादशी	**15** उत्तराफाल्गुन 25-39 यमघंट 25-39 से भद्रा 10-49 से 23-53 तक ३ फाल्गुन कृ.तृतीया	**22** ज्येष्ठा 17-40 धनु चंद्र 17-40 भद्रा 25-44 से ९ श्री रामदास नवमी फाल्गुन कृ.नवमी	**देव प्रतिष्ठा मुहूर्त** 7,10,15,19,21,28 **उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त** 7, 14 फरवरी **स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त** 2. रवि- बसंत पंचमी

ता. याद्दास्ती
1.......
2.......
3.......
4.......
5.......
6.......
7.......
8.......
9.......
10.......
11.......
12.......
13.......
14.......
15.......
16.......
17.......
18.......
19.......
20.......
21.......
22.......
23.......
24.......
25.......
26.......
27.......
28.......

दुकान की छुट्टी व समय छूट
26. महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि पूजन
26 फरवरी को प्रथम प्रहर- सायं 6-22 से 9-30, द्वितीय प्रहर- रात्रि 9-31 से 12-40, तृतीय प्रहर-मध्य रात्रि 12-41 से 3-48, चतुर्थ प्रहर- मध्यरात्रि बाद 3-49 से 6-57 तक, निशीथ काल- 26 फरवरी को मध्यरात्रि 12-15 से 1-05 बजे तक।

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- "सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन"

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ
4. देव नारायण जयंती
10. विश्वकर्मा जयंती (ऐच्छिक)
11. स्वामी रामचरण जयंती (ऐच्छिक)
12. गुरू रविदास जयंती (ऐच्छिक)
13. शब ए बारात (ऐच्छिक)
23. स्वा.दयानंद, गाडगे ज. (ऐच्छिक)
26. महाशिवरात्रि

राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ
कोई अवकाश नहीं हैं।

राहु काल का समय	
रवि	सायं 4-30 से 6-00 बजे तक
सोम	प्रातः 7-30 से 9-00 बजे तक
मंगल	सायं 3-00 से 4-30 बजे तक
बुध	दोप.12-00 से 1-30 बजे तक
गुरू	दोप.1-30 से 3-00 बजे तक
शुक्र	प्रातः10-30 से 12-00 बजे तक
शनि	दिन के 9-00 से 10-30 बजे तक

हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ
4. देव नारायण जयंती (ऐच्छिक)
10. विश्वकर्मा जयंती (ऐच्छिक)
11. स्वामी रामचरण जयंती (ऐच्छिक)
12. गुरू रविदास जयंती (ऐच्छिक)
13. शब ए बारात (ऐच्छिक)
23. स्वा.दयानंद, गाडगे ज.(ऐच्छिक)
26. महाशिवरात्रि

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ
2. बसंत पंचमी व सरस्वती ज. (उ.)
4. देवनारायण जयंती (अव.,उत्सव)
23. स्वामी दयानंद जयंती (उत्सव)
26. महाशिवरात्रि (अवकाश, उत्सव)
28. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (उत्सव)

ऐच्छिक अवकाशः-ऐच्छिक अवकाश के दिन कार्यालयों में नियमित कार्य दिवस होता है। प्रत्येक कर्मचारी पूरे वर्ष में कोई भी दो ऐच्छिक अवकाश ले सकता है।

भारत सरकार की छुट्टियाँ
2. श्री पंचमी, बसंत पंचमी (ऐच्छिक)
12. गुरू रविदास जयंती (ऐच्छिक)
19. छत्रपति शिवाजी जयंती (ऐच्छिक)
23. स्वामी दयानंद जयंती (ऐच्छिक)
26. महाशिवरात्रि

गायत्री मंत्र
ॐ भूर्भुवः स्व : तत्सवितुर्व रेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर

सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532

प्रकाशकः- किशोरी शरण एण्ड संस

।। श्री गणेशाय नमः।। ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, सूर्य कोटि सम प्रभः । निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ।।

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
कापी राईट नं. L-123018/2023
प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

(10 फाल्गुन से 10 चैत्र शाकः 1946-47)
(30 सावान से 1 सव्वाल हिजरी सन् 1446)

मार्च 2025

(फाल्गुन शुक्ल २ से चैत्र शुक्ल ३ तक)
(विक्रम संवत् २०८१-८२, बसंत ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	**30** रेवती 16-35 पंचक 16-35 तक सिंजारा घट् स्थापना १ चैत्र शुक्लादि,कल्पादि राजस्थान स्थापना दि. मेष चंद्र 16-35,चंद्रदर्शन वि.सं. 2082 प्रा. गुड़ी पड़वा चैत्र नवरात्रा प्रा.,गौतम ज. झूलेलाल ज.,चेटीचंड	**2** उत्तराभाद्र 8-59 रेवती 30-39 मु.रमजान प्रा. रोजा शुरू ३ फाल्गुन शुक्ल तृतीया पंचक 30-39 तक मेष चंद्र 30-39 मे.खाटूश्यामजी प्रा. अमृतसर्वार्थसिद्धियोग	**9** पुनर्वसु 23-55 नंद गाँव होली रवि पुष्य योग १० बृज महोत्सव प्रा.(भरतपुर) कर्क चंद्र 17-46 सर्वार्थसिद्धियोग रवियोग फागुन दशमी(ज.) भद्रा 19-41 से	**16** हस्त 11-45 द्विपुष्कर 11-45 से तुकाराम ज. चित्रगुप्त पूजा २ राजयोग 11-45 से तुला चन्द्र 25-15 भाईदूज,कलमदान पू.(देशाचारे) रा.टीकाकरण दि. भद्रा 30-15 से	**23** पूर्वाषाढ़ 28-18 वि.मौसम विज्ञान दि. सर्वार्थसिद्धियोग ९ चैत्र कृष्ण नवमी भगत सिंह सुखदेव, राजगुरु शहीद दि. भग.आदिनाथ ज.व तप कल्याणक दि.(जैन)
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	**31** अश्विनी 13-45 मे.गणगौर व पू. मन्वादि २-३ गौरी तृतीया व्रत मेवाड़ उत्सव प्रा.(उदय.) आंदोलन तृतीया(बि.) ईदुलफितर(मीठी ईद) मु.सव्वाल प्रा. मनोरथ तीज व्रत मत्स्य ज. वैधृति पुण्यं	**3** अश्विनी 28-29 रवियोग ४ विनायक चतुर्थी फाल्गुन शुक्ल चतुर्थी संत चतुर्थी(उ.) वि.वन्यजीव दि. कुमारयोग 18-02 से भद्रा 7-31 से 18-02 तक	**10** पुष्य 24-51 सर्वार्थसिद्धियोग रंगभरी एका. ११ मु.मेला खाटूश्यामजी आमला एका.व्रत बृज महोत्सव पू. भद्रा 7-45 तक	**17** चित्रा 14-47 चंद्रोदय 21-22 चतुर्थी व्रत ३ चैत्र कृष्ण तृतीया श्री शिवाजी ज. कल्पादि भद्रा 19-33 तक	**24** उत्तराषाढ़ 28-27 कुमारयोग 28-27 से दशामाता व्रत १० चैत्र कृष्ण दशमी मकर चंद्र 10-25 सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 17-28 से 29-05 तक
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	शुभ विवाह मुहूर्त 5, 6 मार्च प्राचीन गृह प्रवेश मुहूर्त व देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 6 मार्च नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त 1 मार्च	**4** भरणी 26-37 याज्ञवल्क्य ज. रवियोग ५ फाल्गुन शुक्ल पंचमी रा.सुरक्षा दि. सर्वार्थसिद्धियोग 26-37 से	**11** अश्लेषा 26-15 भौम प्रदोष व्रत गोविंद द्वादशी १२ फाल्गुन शु.द्वादशी रवियोग 26-15 से सिंह चंद्र 26-15 मे.खाटूश्यामजी पू.	**18** स्वाती 17-52 ४ चैत्र कृष्ण चतुर्थी कुमारयोग 22-10 से	**25** श्रवण 27-49 कुमारयोग 27-46 तक ११ चैत्र कृष्ण एकादशी त्रिपुष्कर,राजयोग 27-49 से पापमोचनी एका.व्रत
बुधवार Wednesday बुध	व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 1, 2, 3, 6 मार्च स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त 1. शनि- फुलेरा दोज 21. शुक्र- बास्योड़ा 30. रवि- नवसंवत्सर	**5** कृत्तिका 25-08 वैधृति पुण्यं ६ गोरूपिणी छठ्(बं.) वृष चंद्र 8-13 सर्वार्थसिद्धियोग 25-08 तक	**12** मघा 28-05 १३ फाल्गुन शु.त्रयोदशी रवियोग 28-05 तक माघी मासम्(द.भा.)	**19** विशाखा 20-50 ★शुक्रास्त पश्चिम में रंग पंचमी ५ कुमारयोग 20-50 तक वृश्चिक चंद्र 14-06 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग गु.हरगोविंद सिंह पु.दि.(न.मत)	**26** धनिष्ठा 26-29 राजयोग १२ चैत्र कृष्ण द्वादशी पंचक 15-14 से कुंभ चंद्र 15-14 तिथिवासर 9-15 तक मे.कैलादेवी(करौली)
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	होली व नव संवत् की हार्दिक शुभकामनाएँ नोट- 14 मार्च को खग्रास चंद्रग्रहण एवं 29 मार्च को खंडग्रास सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देने के कारण ये दोनों ही ग्रहण व ग्रहण के सूतक भारत में मान्य नहीं होंगे।	**6** रोहिणी 24-05 ७ फाल्गुन सुदी सप्तमी रोहिणी व्रत(जैन) भद्रा 10-51 से 22-01 तक	**13** पूर्वाफाल्गुन 30-19 होलिका दहन 23-28 हूताशिनी पू. १४ फाल्गुन शु.चतुर्दशी चांद पू.व्रत मन्वादि वि.गुर्दा दि. भद्रा 10-36 से 23-27 तक	**20** अनुराधा 23-31 महाविषुव दिन श्री वनचन्द्र ज. ६ श्री एकनाथ षष्ठी सूर्य उत्तर गोल में प्रवेश रवियोग 23-31 से सर्वार्थसिद्धियोग बसंत संपात,संधा पुआ भद्रा 26-46 से	**27** शतभिषा 24-33 मास शिवरात्रि प्रदोष व्रत १३ चैत्र कृष्ण त्रयोदशी वि.थियेटर दि. वारुणी पर्व पंचक भद्रा 23-04 से
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	घट् स्थापना समय 30 मार्च को द्विस्वभाव लग्न युक्त चर, लाभ व अमृत का चौघड़िया प्रातः 7-55 से दोपहर 12-31 तक, अभिजित मुहूर्त- दोप. 12-07 से 12-55 तक श्रेष्ठ।	**7** मृगशिर 23-32 रवियोग 23-32 से ८ दुर्गाष्टमी पं.गोविंद वल्लभ पु.दि. मिथुन चंद्र 11-45 होलाष्टक प्रा. दादूदयाल ज. अष्टान्हिका महापर्व प्रा.	**14** उत्तराफाल्गुन 32-54 खग्रास चन्द्रग्रहण (भारत में अदृश्य) डोलोत्सव धूलंडी,छारण्डी १५ अष्टान्हिका महापर्व पू. कन्या चन्द्र 12-56 चैतन्य महाप्रभु ज. मीन मल मास प्रा. मीन संक्रां. सत्यव्रत,होलाष्टक पू. गणगौर पू.प्रारंभ	**21** ज्येष्ठा 25-46 शीतलाष्टमी पू. बास्योड़ा ७ श्री प्रेमभाया महोत्सव रवियोग 25-46 तक धनु चन्द्र 25-46 मे.शील की डूंगरी(चाकसू) भद्रा 15-39 तक वि.सैन्य दि.	**28** पूर्वाभाद्र 22-09 पंचक १४ चैत्र कृ.चतुर्दशी मु.जुमातुलविदा,शबे कद्र मीन चंद्र 16-47 मे.पिहोवा तीर्थ(हरियाणा) भद्रा 9-33 तक
शनिवार Saturday शनीचर	**1** पूर्वाभाद्र 11-22 फुलेरा दोज २ फाल्गुन शु.द्वितीया त्रिपुष्कर 11-22 तक चंद्रदर्शन पंचक रामकृष्ण परमहंस ज.	**8** आर्द्रा 23-28 श्री हरि जयंती आनंदा नवमी ९ फाल्गुन शुक्ल नवमी द्वितीय शनिवार बरसाना होली रवियोग वि.महिला दिवस ब्रज में होली	**15** उत्तराफाल्गुन 8-54 बसंतोत्सव प्रा. चैत्र कृष्ण १ मे.बादशाह,फूलडोल(ब्यावर) यमघंट 8-54 से होला मेला(पं.) वि.उपभोक्ता दि.	**22** मूल 27-23 भार.चैत्र प्रा. ऋषभदेव ज. ८ जैन वर्षीतप प्रा. शहादते हजरत अली(मु.) व्यतिपात पुण्यं, कालाष्टमी मे.केसरिया(मेवाड़) ★शुक्र उदय पूर्व में वि.जल दि. रा.शाके:1947 प्रा.	**29** उत्तराभाद्र 19-26 वि.संवत् 2081 शनैश्चरी अमा. ३० चैत्र कृ.अमावस्या देवपितृकार्य अमा. पंचक,मन्वादि पूर्ण चांद्र संवत्सर पू. सूर्यग्रहण(भारत में अदृश्य)

ता. याद्दास्ती

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....
11. ....
12. ....
13. ....
14. ....
15. ....
16. ....
17. ....
18. ....
19. ....
20. ....
21. ....
22. ....
23. ....
24. ....
25. ....
26. ....
27. ....
28. ....
29. ....
30. ....
31. ....

दुकान की छुट्टी व समय छूट

13. व 14. होली (2 दिन)
15. मेला बादशाह (ब्यावर)
21. शीतला पूजन(बास्योड़ा)
31. ईदुलफितर (चांद से)

समय परिवर्तन
दि.16 मार्च से प्रातः 9-30 बजे से रात्रि 8-00 बजे तक

ईद मुबारक

विशेष सूचना : नये संवत् के "श्री जय मार्तण्ड पंचांग" व " सवाई जयपुर पंचांग" समस्त जानकारी के साथ प्रकाशित होकर हमारे यहाँ उपलब्ध है।

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ

13. होली (होलिका दहन)
14. धूलण्डी व छारेण्डी
28. जुमातुलविदा (ऐच्छिक)
30. चेटीचण्ड
31. ईदुलफितर (चांद से)

राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ

14. धूलण्डी (होली)
31. ईदुलफितर (चांद से)

होली पर्व आपसी प्रेम को दर्शाता है। अतः इसे शालीनता पूर्वक मिल-जुलकर मनावें।

हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ

13. से 14. होली (सिविल कोर्ट)
13. से 15. होली (हाईकोर्ट)
28. जुमातुलविदा (ऐच्छिक)
30. चेटीचण्ड
31. ईदुलफितर (चांद से)

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ

8. विश्व महिला दिवस (उत्सव)
13. होलिका दहन (अवकाश)
14. धूलण्डी (अवकाश)
15. विश्व उपभोक्ता दिवस(उत्सव)
30. चेटीचण्ड (उत्सव,अवकाश)
30. राजस्थान स्थापना दिवस(उत्सव)
31. ईदुलफितर (अवकाश) चांद से

भारत सरकार की छुट्टियाँ

13. होलिका दहन (ऐच्छिक)
14. डोलयात्रा (ऐच्छिक)
14. धूलण्डी व छारेण्डी
28. जुमातुलविदा (ऐच्छिक)
30. गुड़ी पड़वा,चैत्र शुक्लादि (ऐ.)
30. उगादि, चेटीचण्ड (ऐच्छिक)
31. ईदुलफितर (चांद से)

होलिका दहन समय- 13 मार्च को प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा होने से होलिका दहन पर्व इसी दिन मनाया जायेगा। शास्त्रानुसार भद्रा यदि अर्द्धरात्रि से पूर्व समाप्त हो जाती है, तो होलिका दहन भद्रा पश्चात् करना चाहिये। इस दिन भद्रा प्रातः 10-36 से रात्रि 11-27 तक है, जो कि सर्वथा त्याज्य है। अतः होलिका दहन 13 मार्च को मध्यरात्रि 11-28 से 12-36 के मध्य होगा।

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशक:- किशोरी शरण एण्ड संस

श्री विष्णु जी का जप मंत्र :- ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।। (रात्रि को जल्दी सोना व प्रातः जल्दी उठना, मनुष्य को स्वस्थ, धनी एवं बुद्धिमान बनाता है।)

Composing By: Saurabh

।। श्री गणेशाय नमः ।। ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, सूर्य कोटि सम प्रभः । निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा ।।

4 | ४

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
कापी राईट नं. L-123018/2023
(11 चैत्र से 10 वैशाख शाकः 1947)
(2 सव्वाल से 1 जिल्काद हिजरी सन् 1446)
प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

अप्रैल 2025

(चैत्र शुक्ल ४ से वैशाख शुक्ल ३ तक)
(विक्रम संवत् २०८२, बसंत-ग्रीष्म ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

वार						ता. याद्दास्ती
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	शुभ विवाह मुहूर्त 14,16,18,19,20,21 22,25,29,30 अप्रैल गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 14 अप्रैल जीर्ण गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 21, 23, 24 अप्रैल जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त 14, 23, 24 अप्रैल नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त 21, 25 अप्रैल	**6** पुष्य 30-25 रवि पुष्य योग, सर्वार्थसिद्धियोग, श्री रामनवमी, चैत्र शुक्ल नवमी	**13** चित्रा 21-10 विषु(केरल), मेष संक्रांति, मीन मल मास पूर्ण	**20** पूर्वाषाढ़ 11-48 त्रिपुष्कर 11-48से, भानु सप्तमी, ईस्टर संडे, गु.अर्जुनदेव ज.(प्रा.मत)	**27** अश्विनी 24-38 श्री शुकदेव ज., सर्वार्थसिद्धियोग 24-38 तक, देवपितृकार्य अमा.	1........ 2........ 3........ 4........ 5........ 6........
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)		**7** पुष्य 6-25 रवियोग, सर्वार्थसिद्धियोग 6-25 तक, धर्मराज दशमी, चैत्र शुक्ल दशमी	**14** स्वाती 24-13 यमघंट 24-13 से, डॉ.अंबेडकर ज., वैशाख कृ.प्रतिपदा	**21** उत्तराषाढ़ 12-37 भार.वैशाख प्रा., सर्वार्थसिद्धियोग 12-37 से, शीतलाष्टमी, वैशाख कृ.अष्टमी	**28** भरणी 21-37 वैशाख शु.प्रतिपदा	7........ 8........ 9........ 10........ 11........
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	**1** भरणी 11-06 विनायक चतुर्थी, रवियोग 11-06 से, चैत्र शुक्ल चतुर्थी, मे.गणगौर दूसरा दिन	**8** अश्लेषा 7-55 श्री वल्लभाचार्य बधाई, कामदा एका.व्रत, चैत्र शुक्ल एकादशी	**15** विशाखा 27-10 त्रिपुष्कर योग, हिमाचल दि., वैशाख कृ.द्वितीया	**22** श्रवण 12-44 पंचक 24-31 से, वि.पृथ्वी दि., वैशाख कृ.नवमी	**29** कृत्तिका 18-47 श्री परशुराम ज., वि.नृत्य दिवस, त्रिपुष्कर 17-31 तक	12........ 13........ 14........ 15........ 16........
बुधवार Wednesday बुध	**2** कृत्तिका 8-50 रवियोग,कुमारयोग, श्री पंचमी, चैत्र शुक्ल पंचमी	**9** मघा 9-57 मदन द्वादशी, वामन द्वादशी, चैत्र शुक्ल द्वादशी	**16** अनुराधा 29-55 चंद्रोदय 22-02, चतुर्थी व्रत, गु.हरकिशन,अंगददेव पु.दि.	**23** धनिष्ठा 12-07 वि.कॉपीराईट दि., वि.पुस्तक दि., वैशाख कृ.दशमी	**30** रोहिणी 16-18 रोहिणी व्रत(जैन), मु.जिल्काद प्रा., विनायक चतुर्थी, बद्रीनाथ केदारनाथ यात्रा	17........ 18........ 19........ 20........ 21........ 22........
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	**3** रोहिणी 7-02 मृगशिर 29-51, सूर्य षष्ठी, रोहिणी व्रत(जैन)	**10** पूर्वाफाल्गुन 12-24 श्री महावीर ज., अनंग त्रयोदशी, मु.मेला महावीर जी	**17** ज्येष्ठा 32-21 वैशाख कृ.चतुर्थी	**24** शतभिषा 10-49 मानव एकता दि., बरूथिनी एका.व्रत, वैशाख कृ.एकादशी	देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 14, 20, 21, 24, 25 व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 20, 21, 25 अप्रैल उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त 2, 7, 9,14,18, 30 स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त 6. रवि– श्रीरामनवमी 30. बुध– अक्षया तृतीया	23........ 24........ 25........ 26........ 27........ 28........ 29........ 30........
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**4** आर्द्रा 29-20 चैत्र शु.७, दुर्गा पूजन प्रा.(बं.)	**11** उत्तराफाल्गुन 15-10 नृसिंह दोलोत्सव, हाटकेश्वर ज., हनुमान जन्मोत्सव उपवास	**18** ज्येष्ठा 8-21 कुमारयोग8-21से, गुड फ्राईडे, वैशाख कृ.पंचमी	**25** पूर्वाभाद्र 8-53 श्री सैन ज., प्रदोष व्रत, वैशाख कृ.द्वादशी	अंग फड़कने का फल– पुरूष का दाहिना अंग तथा स्त्री का बायां अंग फड़कने या खुजली चलने पर लाभ, पैर में खुजली चले तो यात्रा शुभ होती है। किंतु यदि पुरूष का बायां व स्त्री का दाहिना अंग फड़के तो अशुभ होता है।	दुकान की छुट्टी व समय छूट 6. श्री रामनवमी
शनिवार Saturday शनीचर	**5** पुनर्वसु 29-32 अन्नपूर्णा पू.(बं.), दुर्गाष्टमी, चैत्र शुक्ल अष्टमी	**12** हस्त 18-07 मे.महावीरजी पू., चैत्री पू., द्वि.शनिवार, श्री हनुमान ज.(द.भा.)	**19** मूल 10-21 ईस्टर सेटरडे, वैशाख कृ.छठ्	**26** उत्तराभाद्र 6-27 रेवती 27-39, वैधृति पुण्य, मास शिवरात्रि	गुरू या शुक्र अस्त में विचार– गुरू या शुक्र अस्त के समय विवाह विद्यारंभ, प्रतिष्ठा, गृहप्रवेश, गृहारंभ कुँआ, तालाब निर्माण व आना जाना शास्त्रों में निषेध माना गया है।	सुख,समृद्धि एवं शांतिदायक तंत्र–प्रातः उठकर ईश्वर स्मरण कर स्वर देखें जिस तरफ का स्वर चल रहा हो,उस तरफ के चेहरे को उसी तरफ के हाथ से सहलावें एवं उस हाथ के दर्शन कर पहले वहीं पांव शैय्या से नीचे रखें अभीष्ट सिद्धि के लिये अचूक है। प्रत्येक मनुष्य अपना आंगन साफ कर दे तो सारी दुनिया स्वच्छ हो जाये-गेटे

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए ''किशोर जंत्री (पंचांग)'' ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- ''सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन''

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
6. श्रीरामनवमी 10. महावीर जयंती 11. महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती 13. वैशाखी (ऐच्छिक) 14. डॉ.अंबेडकर जयंती 18. गुडफ्राईडे 25. श्री सैन जयंती (ऐच्छिक) 29. श्री परशुराम जयंती	1. वार्षिक बैंक खाताबंदी 6. श्री रामनवमी पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख धन यौवन माया, तीजा सुख सतवंती नारी, चौथा सुख पुत्र आज्ञाकारी, पांचवा सुख सुस्थान वासो, छठवां सुख राज में पासो, सातवा सुख बैकुंठ वासो। संतान गोपाल का जप मंत्र ॐ क्लीं देवकी सुत गोविंद वासुदेव जगत्पते, देहि मे तनयम् कृष्ण त्वामहम् शरणम् गतः क्लीं ॐ ।।	6. श्रीरामनवमी 10. महावीर जयंती 11. महा.ज्योतिबा फुले जयंती (ऐ.) 13. वैशाखी (ऐच्छिक) 14. डॉ.अंबेडकर जयंती 18. गुडफ्राईडे 19.ईस्टर सेटरडे(ऐ.) 25. श्री सैन जयंती (ऐच्छिक) 29. श्री परशुराम जयंती	1. विद्यालय समय परिवर्तन 6. श्रीरामनवमी (उत्सव,अवकाश) 8. से 25. वार्षिक परीक्षा 10. महावीर जयंती(उत्सव,अवकाश) 11. महा.ज्योतिबा फुले जयन्ती 14. डॉ.अंबेडकर जयंती (उत्सव,अव.) 18. गुडफ्राईडे (अवकाश) 29. श्री परशुराम जयंती (अवकाश)	6. श्री रामनवमी (ऐच्छिक) 10. महावीर जयंती 13. वैशाखी, विषु (ऐच्छिक) 14. मेषादि (ऐ.), अंबेडकर ज. (अव.) 15. वैशाखादि, माघ बिहु (ऐच्छिक) 18. गुडफ्राईडे 20. ईस्टर संडे (ऐ.) अहिंसा परमोधर्मः

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशकः- किशोरी शरण एण्ड संस

श्री सूर्य का जप मंत्र :- ॐ घृणि सूर्याय नमः ।। अथवा ॐ ह्रीं आदित्याय स्वाहा ।। श्री हनुमान जी का जप मंत्रः- ॐ ह्रीं हनुमते रामदूताय नमः ।।

Composing By: Saurabh

।। श्री गणेशाय नमः।। ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, सूर्य कोटि सम प्रभः । निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ।।

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक:
अशोक अग्रवाल

काॅपी राईट नं. L-123018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

प्रकाशक :
किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(11 वैशाख से 10 ज्येष्ठ शाकः 1947)
(2 जिल्काद से 3 जिलहिज हिजरी सन् 1446)

मई 2025

(वैशाख शुक्ल ४ से ज्येष्ठ शुक्ल ५ तक)
(विक्रम संवत् २०८२, ग्रीष्म ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

शुभ विवाह मुहूर्त
1,5,6,7,8,13,15,17 18,19,24,28 मई

गृहारंभ (नींव) मुहूर्त
1, 7, 8, 28 मई

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त
3, 10, 23, 24 मई

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त
1, 7, 8, 28 मई

देव प्रतिष्ठा मुहूर्त
1,2,3,4,8,25,28 मई

व्यापार प्रारंभ मुहूर्त
1,3,4,7,8,10,23,24 25, 28 मई

उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त
1, 7, 8, 29 मई

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त
5. सोम- जानकी नवमी
12. सोम- पीपल पूनम

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ
1. नवीन सत्रारंभ
7. टैगोर जयंती (उत्सव)
8. से 15. पूरक परीक्षा
17. से 23. जून ग्रीष्माव.
29. महाराणा प्रताप ज.

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)		**4** ७ पुष्य 12-53 रवि पुष्य योग सर्वार्थसिद्धियोग 12-53 तक वि.हास्य दि. भद्रा 7-19 से 19-21 तक वि.अग्निशमन दि. ७ राजयोग 7-19 तक	**11** १२ स्वाती 30-17 व्यतिपात पुण्यं श्री आद्यशंकराचार्य कैलाश गमन छिन्नमस्ता, नृसिंह ज. भद्रा 20-02 से मदर्स डे १४ गु.अमरदास ज.(प्रा.मत)	**18** १९ उत्तराषाढ़ 18-52 रवियोग 18-52 से वि.संग्रहालय दि. सर्वार्थसिद्धियोग 18-52 तक ५ ज्येष्ठ कृ.पंचमी	**25** २६ अश्विनी 11-12 मासशिवरात्रि सर्वार्थसिद्धियोग 11-12 तक भद्रा 15-51 से 26-02 तक नौ तपा प्रा.१३ सावित्री चतुर्दशी(बं.)
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)		**5** ९ अश्लेषा 14-01 रवियोग 14-01 से सिंह चंद्र 14-01 जानकी नवमी बगलामुखी ज. ८ दुर्गाष्टमी वैशाख शुक्ल अष्टमी	**12** १३ स्वाती 6-17 मे.देवयानी(साम्भर) पीपल पू. वृश्चिक चंद्र 26-27 कूर्म ज., बुद्ध ज. वि.नर्स दि. सत्यव्रत, वैशाख स्नान पू. भद्रा 9-15 तक वैशाखी पू.१५ ग्रीष्मोत्सव पू.(मा.आबू)	**19** २० श्रवण 19-29 कुमारयोग 6-12 तक सर्वार्थसिद्धियोग 19-29 तक भद्रा 6-12 से 18-06 तक ६ ज्येष्ठ कृष्ण छठ्	**26** २८ भरणी 8-23 कृत्तिका 29-32 यमघंट 8-23 से अमृतसिद्धियोग 8-23 से वृष चन्द्र 13-40 फलहारिणी कालिका पू.(बं.) मु.शांतिनाथ ज.(जैन) वट सावित्री व्रत पू. सोमवती अमा.१४ बड़ पूजन अमा. पितृकार्य अमा.,शनि जयंती
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)		**6** ८ मघा 15-52 रवियोग श्री हरि जयंती कुमारयोग 8-39 से ९ वैशाख शुक्ल नवमी	**13** १४ विशाखा 9-09 कुमारयोग 9-09 तक राजयोग 24-36 से श्री नारद ज.१ ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा	**20** २१ धनिष्ठा 19-32 मे.चनानी माताजी कुंभ चंद्र 7-35 पंचक 7-35 से दादूदयाल पु.दि. त्रिलोकनाथाष्टमी(बं.) कालाष्टमी ७-८ द्विपुष्कर 5-52 तक	**27** २८ रोहिणी 26-50 संत ज्ञानेश्वर ज. पं.नेहरू पु.दि. रोहिणी व्रत(जैन) द्विपुष्कर 29-03 से मे.भैंरु बालाजी करवीर व्रत ३०-१ देवकार्य,भावुका अमा. गंगा दशाश्व मेघ स्नान प्रा.
बुधवार Wednesday बुध		**7** १० पूर्वाफाल्गुन 18-17 रविंद्रनाथ टैगोर ज. कन्या चन्द्र 24-57 रवियोग भद्रा 23-22 से १० महावीर स्वामी कै.ज्ञान	**14** १६ अनुराधा 11-47 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 11-47 तक राजयोग 11-47 तक वृष संक्रांति २ ज्येष्ठ कृ.द्वितीया	**21** २२ शतभिषा 18-58 वैधृति पुण्यं राजीव गांधी पु.दि. कुमारयोग 27-22 से पंचक ९ ज्येष्ठ कृ.नवमी	**28** २९ मृगशिर 24-29 वीर सावरकर ज. मिथुन चंद्र 13-36 चन्द्रदर्शन सर्वार्थसिद्धियोग 24-29 तक ज्येष्ठ शु. २ राजयोग 24-29 तक
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	**1** ४ मृगशिर 14-21 रवियोग 14-21 तक भद्रा 11-24 तक ४ मजदूर दिवस वैशाख शुक्ल चतुर्थी	**8** ११ उत्तराफाल्गुन 21-06 मोहिनी एका.व्रत राधा-रूक्मणि द्वादशी भद्रा 12-30 तक परशुराम द्वादशी वैशाख शु.११ श्री हित हरिवंश महाप्रभु ज.	**15** १७ ज्येष्ठा 14-07 माँ आनंदमयी ज. धनु चंद्र 14-07 भद्रा 15-19 से 28-03 तक वि.परिवार दि.३ ज्येष्ठ कृ.तृतीया	**22** २३ पूर्वाभाद्र 17-47 राममोहन राय ज. मीन चंद्र 12-08 पंचक भद्रा 14-22 से 25-12 तक भार.ज्येष्ठ प्रा.१० ज्येष्ठ कृ.दशमी	**29** १ आर्द्रा 22-38 वि.माउंट एवरेस्ट दि. रवियोग 22-38 से मु.जिलहिज प्रा. चौ.चरण सिंह पु.दि. सर्वार्थसिद्धियोग रंभा तृतीया व्रत ३ महाराणा प्रताप ज.
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**2** ५ आर्द्रा 13-04 गु.अर्जुनदेव ज.(न.मंत) कुमारयोग, रवियोग, सर्वार्थसिद्धियोग श्री आद्यशंकराचार्य ज. श्री रामानुजाचार्य ज. ५ सूरदास ज. वैशाख सुदी पंचमी	**9** १२ हस्त 24-09 गोखले ज. रवियोग 24-09 से श्री रविंद्रनाथ टैगोर जयंती(बं.) प्रदोष व्रत १२ वैशाख शु.द्वादशी	**16** १८ मूल 16-07 चतुर्थी व्रत चंद्रोदय 22-41 ४ ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी	**23** २४ उत्तराभाद्र 16-02 भद्रकाली एका.(पं.) अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 16-02 से जलक्रीड़ा एका.(उ.) पंचक अपरा एका.व्रत ११ गु.अमरदास ज.(न.मत)	**30** २ पुनर्वसु 21-29 उमा चतुर्थी(बं.) हिन्दी पत्रकारिता दि. कर्क चंद्र 15-42 भद्रा 10-15से21-23तक सर्वार्थसिद्धियोग विनायक चतुर्थी ४ गु.अर्जुनदेव पु.दि.(प्रा.मत)
शनिवार Saturday शनीचर	**3** ६ पुनर्वसु 12-34 त्रिपुष्कर7-52से कर्क चंद्र 6-37 चंदन छठ्(बं.) मे.गुमाणोमाताजी(करौली) गंगा पू. ६ गंगोत्पत्ति,गंगा सप्तमी रवियोग 12-34 तक	**10** १३ चित्रा 27-15 तुला चंद्र 13-42 सर्वार्थसिद्धियोग ग्रीष्मोत्सव प्रा.(मा.आबू) द्वि.शनिवार १३ रवियोग 27-15 तक	**17** १९ पूर्वाषाढ़ 17-44 मकर चंद्र 24-03 वि.दूरसंचार दि. ५ ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी	**24** २५ रेवती 13-48 राष्ट्रमंडल दि. पंचक 13-48 तक मेष चंद्र 13-48 मु.अनंतनाथ ज.(जैन) वट सावित्री व्रत प्रा. १२ मधुसूदन द्वादशी शनि प्रदोष व्रत	**31** ३ पुष्य 21-07 रवियोग 21-07 से महादेव विवाह(उ.) वि.तंबाकू निषेध दि. श्रुति पंचमी(जैन) ज्येष्ठ शु. ५ साँई टेऊँराम पु.ति.

ता. याददास्ती
1.............................
2.............................
3.............................
4.............................
5.............................
6.............................
7.............................
8.............................
9.............................
10.............................
11.............................
12.............................
13.............................
14.............................
15.............................
16.............................
17.............................
18.............................
19.............................
20.............................
21.............................
22.............................
23.............................
24.............................
25.............................
26.............................
27.............................
28.............................
29.............................
30.............................
31.............................

राजस्थान सरकार, हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ
12. बुद्ध पूर्णिमा (ऐच्छिक)
29. महाराणा प्रताप जयंती

भारत सरकार की छुट्टियाँ
9. रविंद्रनाथ टैगोर ज. (ऐ.)
12. बुद्ध पूर्णिमा

जीवो और जीने दो

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- "सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन"

गण्डमूल नक्षत्र के चरण भेद पाद फल चक्र

चरण \ नक्षत्र	अश्विनी	अश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम्	पिता को भय कष्ट	शांति कराने से शुभ	माता के लिए नेष्ट	बड़े भाई को कष्ट	पिता को भय व कष्ट	राज में सम्मान
द्वितीय	सुख समृद्धि बढ़े	धन नाश	पिता को कष्ट	छोटे भाई को कष्ट	माता को कष्टप्रद	वैभव की वृद्धि
तृतीय	राजकाज में विजय	माता को कष्ट	सुख समृद्धि बढ़े	माता को कष्ट	धन व्यय	व्यापार में लाभ
चतुर्थ	राज में सम्मान	पिता को भय	धन विद्या प्राप्ति	स्वयं शरीर हेतु कष्ट	शांति कराने पर शुभ	विविध प्रकार के कष्ट

गण्डमूल नक्षत्र एवं शांति के उपाय :- अश्विनी, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में जन्म लेने वाले बालक या बालिका मूल नक्षत्रों अर्थात् बड़े वारों में जन्म लने वाले माने जाते हैं। इन नक्षत्रों में जन्म लेने वाले बालक-बालिका का मुख पिता 27 दिन तक न देखें। प्रसूति स्नान के पश्चात् शुभ मुहूर्त्त में उसी नक्षत्र के 27 वे दिन मूल शांति करवाकर शुभ वेला में पिता बालक का मुख देखें। इन 6 नक्षत्रों में जन्मा हुआ बालक माता-पिता व अपने शरीर को कष्ट प्रदान करता है। यदि स्वयं का शरीर नष्ट नहीं हो तो वह धन, वैभव, ऐश्वर्य कारक होता है। इन 6 नक्षत्रों में जन्में बालक-बालिका का फल केवल अशुभ ही नहीं होता। नक्षत्र चरण भेद से शुभ फल भी होता है जो तालिका में दिया गया है।

अधिकृत थोक विक्रेता :-
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक:-
किशोरी शरण एण्ड संस

श्री चन्द्र का जप मंत्र :- ॐ सों सोमाय नमः।। (स्वस्थ रहने के लिये शुद्ध हवा, जल, व्यायाम, स्नान, ईश्वर स्मरण व भोजन नियमित आवश्यक है।)

Composing By: Sawan

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
काापी राईट नं. L-123018/2023
प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

(11 ज्येष्ठ से 9 आषाढ़ शाकः 1947)
(4 जिलहिज से 4 मुहर्रम हिजरी सन् 1446-47)

जून 2025

(ज्येष्ठ शुक्ल ६ से आषाढ़ शुक्ल ५ तक)
(वि.सं.२०८२, ग्रीष्म-वर्षा ऋतु, सूर्य उत्तर-दक्षिणायने)

रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	अश्लेषा 21-36 बाल सुरक्षा दि. **1** ६ स्कंध षष्ठी व्रत यमघंट 21-36 से रवियोग 21-36 तक, सिंह चन्द्र 21-36, विश्व तम्बाकू नि. दि., रानी लक्ष्मीबाई पु.ति., अरण्य, आरोग्य षष्ठी(बं.)	स्वाती 12-42 वि.महासागर दि. **8** प्रदोष व्रत १२ ज्येष्ठ शु.द्वादशी वि.ब्रेनट्यूमर दि., वट सावित्री व्रतारंभ (गुज.)	श्रवण 25-00 फादर्स डे **15** ४ आषाढ़ कृ.चतुर्थी मिथुन संक्रांति, राजस्व संक्रांति(उ.)	भरणी 17-38 त्रिपुष्कर 17-38 से **22** रा.आषाढ़ प्रा. १२ योगिनी एका.व्रत(वै.) वृष चन्द्र 23-03, रवियोग 17-38 तक, कर्तरिक	अश्लेषा 6-34 यमघंट 6-34 से **29** ४ आषाढ़ शु.चतुर्थी सिंह चन्द्र 6-34, रवियोग 6-34 तक, भद्रा 9-15 तक
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	मघा 22-55 **2** ७ ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी भद्रा 20-35 से	विशाखा 15-31 यमघंट 15-31 तक **9** १३ ज्येष्ठ शु.त्रयोदशी रवियोग 15-31 से, वृश्चिक चन्द्र 8-50, सर्वार्थसिद्धियोग 15-31 से	धनिष्ठा 25-13 नाग पंचमी(बं.) **16** ५ वैधृति पुण्य आषाढ़ कृ.पंचमी पंचक 13-10 से, कुंभ चन्द्र 13-10, गु.अर्जुनदेव पु.ति.(न.मत), कौकिला पंचमी(बं.)	कृत्तिका 15-16 सोम प्रदोष व्रत **23** १३ मास शिवरात्रि आषाढ़ कृ.त्रयोदशी सर्वार्थसिद्धियोग 15-16 से, भद्रा 22-10 से	मघा 7-21 रवियोग 7-21 से **30** ५ स्कंध पंचमी श्री वल्लभाचार्य बैकुंठगमन कुमारयोग 7-21 तक, कुमार षष्ठी व्रत, शेर पंचमी(उ.)
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	पूर्वाफाल्गुन 24-58 **3** ८ दुर्गाष्टमी ज्येष्ठ शु.अष्टमी रवियोग 24-58 से, धूमावती ज., क्षीर भवानी (काश्मीर), भद्रा 9-11 तक	अनुराधा 18-02 राजयोग 11-36 से **10** सत्यव्रत १४ वट सावित्री व्रत पू.(गुज.) रवियोग 18-02 तक, चंपक चतुर्दशी(बं.), भद्रा 11-36 से 24-28 तक	शतभिषा 25-01 त्रिपुष्कर 25-01 से **17** ६ पंचक आषाढ़ कृ.छठ रवियोग 25-01 तक, भद्रा 14-47 से 26-14 तक	रोहिणी 12-54 रोहिणी व्रत(जैन) **24** १४ आषाढ़ कृ.चतुर्दशी मिथुन चन्द्र 23-45, भद्रा 8-34 तक	
बुधवार Wednesday बुध	उत्तराफाल्गुन 27-35 कुमारयोग 27-35 से **4** ९ श्री महेश नवमी ज्येष्ठ शुक्ल नवमी कन्या चन्द्र 7-35, रवियोग, सर्वार्थसिद्धियोग 27-35 से	ज्येष्ठा 20-10 संत कबीर ज. **11** मन्वादि ज्येष्ठी पू. १५ वट सावित्री व्रत पारणा धनु चन्द्र 20-10, यमघंट, कुमारयोग 20-10 से, गुरु अस्त पश्चिम में, अमरनाथ यात्रा प्रा., स्नान दान पूर्णिमा ★	पूर्वभाद्र 24-23 पंचक **18** ७ कालाष्टमी आषाढ़ कृ.सप्तमी मीन चन्द्र 18-35, वि.पिकनिक दि.	मृगशिर 10-40 **25** ३० आषाढ़ी अमा. आषाढ़ कृ.अमावस देवपितृकार्य अमा., सर्वार्थसिद्धियोग 10-40 तक	
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	हस्त 30-34 श्री बटुक भैरव ज. **5** १० गंगा दशमी ज्येष्ठ शु.दशमी गंगा दशहरा व्रत पू., रामेश्वर प्रतिष्ठा दि., वि.पर्यावरण दि., गंगा दशहरा(हरि.), रवियोग	मूल 21-57 **12** १ आषाढ़ कृ.प्रतिपदा वि.बालश्रम निषेध दि., गु.हरगोविंद सिंह ज.(प्रा.मत)	उत्तराभाद्र 23-17 पंचक **19** ८ बोहराष्टमी आषाढ़ कृ.अष्टमी सर्वार्थसिद्धियोग 23-17 से	आर्द्रा 8-46 गुप्त नवरात्रा प्रा. **26** १ चंद्रदर्शन आषाढ़ शु.प्रतिपदा कर्क चन्द्र 25-39, सर्वार्थसिद्धियोग, मनोरथ द्वितीया व्रत (बं.)	
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	हस्त 6-34 रवियोग,राजयोग **6** ११ व्यतिपात पुण्य निर्जला एका.(स्मा.) कुमारयोग 6-34 तक, तुला चन्द्र, हज यात्रा(मु.), रुक्मणी विवाह(उ.), भद्रा 15-32 से 28-48 तक	पूर्वाषाढ़ 23-20 **13** २ आषाढ़ कृ.द्वितीया राजयोग 23-20 तक, भद्रा 27-36 से	रेवती 21-45 वर्षा ऋतु प्रा. **20** वि.शरणार्थी दि. सूर्य दक्षिणायने पंचक 21-45 तक कुमारयोग 21-45 से, मेष चन्द्र 21-45, भद्रा 20-37 से	पुनर्वसु 7-22 राजयोग 7-22 से **27** २ मे.आषाढ़ी दशहरा आषाढ़ शु.द्वितीया हिजरी सन् 1447 प्रा., मुहर्रम प्रा., सर्वार्थसिद्धियोग, रथ यात्रा(जगन्नाथपुरी)	
शनिवार Saturday शनीचर	चित्रा 9-40 वि.खाद्य सुरक्षा दि. **7** १२ भीम एका. निर्जला एका.व्रत(वै.) गु.सुपार्श्वनाथ ज.(जैन), तुला चन्द्र 9-40 तक, ईदुलजुहा(मु.), बकरीद(मु.), सर्वार्थसिद्धियोग 9-40 से, चंपक द्वादशी(बं.)	उत्तराषाढ़ 24-22 चंद्रोदय 22-11 **14** ३ चतुर्थी व्रत आषाढ़ कृ.तृतीया मकर चन्द्र 5-38, वि.रक्तदान दि., भद्रा 15-47 तक, सर्वार्थसिद्धियोग	अश्विनी 19-50 **21** १०-११ योगिनी एका.व्रत (स्मा.) वि.संगीत दि., भद्रा 7-19 तक, वि.योग दि.	पुष्य 6-35 **28** ३ विनायक चतुर्थी आषाढ़ शुक्ल तृतीया रवियोग 6-35 से, भद्रा 21-29 से	

शुभ विवाह मुहूर्त
1, 2, 4, 7, 8 जून

गृहारंभ (नींव) मुहूर्त
7 जून

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त
6, 7 जून

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त
4 जून

देव प्रतिष्ठा मुहूर्त
7, 8 जून

व्यापार प्रारंभ मुहूर्त
5, 6, 7 जून

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त
5. गुरु-गंगा दशमी
7. शनि- निर्जला एका.

सभी विभागों में अवकाश
7. ईदुलजुहा (चांद से)

सिविल,हाईकोर्ट की छुट्टियाँ
2. से 29. ग्रीष्मावकाश

भारत सरकार की छुट्टियाँ
27. रथ यात्रा (ऐच्छिक)

शारीरिक रोग निवारण हेतु लघु मृत्युंजय मंत्र- "ॐ जूं सः" इस मंत्र का प्रत्येक सोमवार को रात्रि 9 बजे बाद सवा पाव कच्चा दूध (यथा संभव गाय का) पूर्व दिशा में मुँह करके शिवलिंग पर चढ़ाते हुए जप करने से भयंकर रोग भी मिट जाते है।

शिवार्चन हेतु प्रमुख तिथियाँ
(तिथि की गणना शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से करनी चाहिये)
कृष्ण पक्ष-1,4,5,6,8,11, 12,13,30 शुक्ल पक्ष-2,5,6,7,9,12,13,14

ता. याद्दास्ती
1.......
2.......
3.......
4.......
5.......
6.......
7.......
8.......
9.......
10.......
11.......
12.......
13.......
14.......
15.......
16.......
17.......
18.......
19.......
20.......
21.......
22.......
23.......
24.......
25.......
26.......
27.......
28.......
29.......
30.......

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ
21. अंतर्राष्ट्रीय योग दि. (उ.)
23. तक ग्रीष्मावकाश
28. भामाशाह ज. (उत्सव)

नोट- 11 जून को गुरू अस्त होकर 7 जुलाई को उदय होगा। अतः उक्त काल में तथा गुरू अस्त व उदय से 3 दिन पूर्व व 3 दिन बाद का समय वृद्धत्व व बाल्यत्व दोष युक्त होने से उक्त समय में कोई भी शुभ कार्य संपन्न नहीं करना चाहिये।

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- "सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन"

मांगलिक विचार
लग्न से मंगल 1,4,7,8,12 वां स्थान में होने से जातक मांगलिक होता है। एक कुंडली में मंगल हो तथा दूसरे के इन्हीं स्थानों में शनि या पाप ग्रह होतो मंगल दोष का परिहार हो जाता है।

राशि देखने का चक्र

राशि	नक्षत्र व उनके चरण	नाम के प्रथम अक्षर	राशि	नक्षत्र व उनके चरण	नाम के प्रथम अक्षर
मेष	अश्विनी ४ भर.४ कृत्तिका १	चू चे चो ला लि लू ले लो अ	तुला	चित्रा २ स्वाती ४ विशाखा ३	र री रु रे रो ता ति तू ते
वृष	कृत्तिका ३ रोहिणी ४ मृग. २	इ उ ए ओ वा वि वु वे वो	वृश्चिक	विशाखा १ अनु. ४ ज्येष्ठा ४	तो न नी नू ने नो या यी यू
मिथुन	मृगशीर्ष २ आर्द्रा ४ पुन. ३	क कि कू घ ङ छ के को ह	धनु	मूल ४ पूर्वाषा. ४ उत्तराषा.१	ये यो भ भी भू धा फा ढा भे
कर्क	पुनर्वसु १ पुष्य ४ अश्लेषा ४	ही हू हे हो डा डी डू डे डो	मकर	उ. षा. ३ अभि. ४ श्र. ४ धनि. २	भो ज जी जू जे जो ख खि खू खे खो ग गि
सिंह	मघा ४ पूर्वाफा. ४ उ. फा. १	म मी मू मे मो टा टी टू टे	कुंभ	धनिष्ठा २ शत. ४ पूर्वाभाद्र ३	गू गे गो सा सी सू से सो द
कन्या	उ. फा.३ हस्त ४ चित्रा २	टो प पी पू ष ण ठ पे पो	मीन	पूर्वाभा. १ उ. भाद्र ४ रेवती ४	दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अधिकृत थोक विक्रेता :-
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक:-
किशोरी शरण एण्ड संस

।। श्री गणेशाय नमः।। ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, सूर्य कोटि सम प्रभः । निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ।।

7 ७

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादकः
अशोक अग्रवाल
(10 आषाढ से 9 श्रावण शाकः 1947)
(5 मुहर्रम से 5 सफर हिजरी सन् 1447)

कापी राईट नं. L-123018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

जुलाई 2025

प्रकाशक :
किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर
(आषाढ़ शुक्ल ६ से श्रावण शुक्ल ७ तक)
(विक्रम संवत् २०८२, वर्षा ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 21 जुलाई जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त 11,12,14,17,21,25 28,30,31 जुलाई देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 13 जुलाई	**6** विशाखा 22-42 त्रिपुष्कर 21-15 से मुहर्रम(ताजिया) राजयोग, रवियोग वृश्चिक चंद्र 16-01 भद्रा 8-09 से 21-15 तक चातुर्मास यात्रा प्रा. पंढरपुर यात्रा देवशयनी एका.व्रत ११	**13** श्रवण 6-53 पंचक 18-53 से मत्स्यर दिवस(काश्मीर) कुंभ चंद्र 18-53 भद्रा 13-27 से 25-03 तक राजयोग ३ जया पार्वती व्रत पारणा	**20** कृत्तिका 22-53 वृष चंद्र 6-12 भद्रा 12-13 तक श्रावण कृ.दशमी १०	**27** मघा 16-23 मेला तीज(जयपुर) यमघंट 16-23 तक मु.सफर प्रा. श्री सेवक जयंती रवियोग,राजयोग लघु तृतीया व्रत ३ मधुश्रवा,हरियाली तीज
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 12,17,18,21,25,30,31 स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त 4. शुक्र- भड़ल्या नवमी 6. रवि-देवशयनी एकादशी	**7** अनुराधा 25-11 वि.क्षमा दिवस ★ गुरु उदय पूर्व में सर्वार्थसिद्धियोग 25-11 तक वामन पूजा १२ आषाढ़ शु.द्वादशी	**14** धनिष्ठा 6-49 पंचक चंद्रोदय 22-01 श्रावण वन सोमवार व्रत चतुर्थी व्रत ४ श्रावण कृष्ण चतुर्थी	**21** रोहिणी 21-07 रोहिणी व्रत(जैन) कुमारयोग 9-39 तक अमृतसर्वार्थसिद्धियोग कामिका एका.व्रत ११ श्रावण वन सोमवार व्रत	**28** पूर्वाफाल्गुन 17-35 दूर्वा गणपति व्रत कन्या चन्द्र 24-00 श्रवण तप.प्रा.(जैन) मे.तीज दूसरा दिन भद्रा 10-58 से 23-25 तक वन महोत्सव दि. वरद् विनायक चतुर्थी ४ श्रावण वन सोमवार व्रत
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	**1** पूर्वाफाल्गुन 8-54 व्यतिपात पुण्यं त्रिपुष्कर 10-21 से रवियोग 8-54 तक कन्या चंद्र 15-24 महा.स्वामी गर्भ कल्याणक कसुंबा,कर्दम षष्ठी(बं.) रा.चिकित्सक दि. विवस्त सप्तमी ६ वन महोत्सव सप्ताह प्रा.	**8** ज्येष्ठा 27-15 रवियोग 27-15 से धनु चंद्र 27-15 जया पार्वती व्रत प्रा.(गुज.) भौम प्रदोष व्रत १३ आषाढ़ शु.त्रयोदशी	**15** शतभिषा 6-26 पूर्वभाद्र 29-46 मीन चंद्र 23-58 कुमारयोग,रवियोग पंचक नाग पंचमी(राज.) मंगला गौरी पू. ५ श्रावण कृष्ण पंचमी	**22** मृगशिर 19-25 यमघंट 19-25 से राजयोग 7-06 तक मिथुन चंद्र 8-15 भद्रा 28-40 से केर पूजा(त्रिपुरा) मंगला गौरी पू. भौम प्रदोष व्रत द्विपुष्कर 7-06 तक १२-१३	**29** उत्तराफाल्गुन 19-27 नाग पंचमी(देशाचारे) कुमारयोग,रवियोग जागृत गौरी पंचमी(उ.) मंगला गौरी व्रत ५ श्रावण शु.पंचमी
बुधवार Wednesday बुध	**2** उत्तराफाल्गुन 11-07 सर्वार्थसिद्धियोग 11-07 से भद्रा 11-59 से 25-00 तक सूर्य पूजा ७ आषाढ़ शुक्ल सप्तमी	**9** मूल 28-50 यमघंट 28-50 तक चौमासी चौदस(जैन) मं.ज्वालामुखी प्र.(कां.) शिव शयन चतुर्दशी(उ.) भद्रा 25-37 से राजयोग,रवियोग १४ आषाढ़ शु.चतुर्दशी	**16** उत्तराभाद्र 28-50 यमघंट 5-46 से रवियोग 28-50 तक अमृतसर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 21-02 से कर्क संक्रांति पंचक ६ राजयोग 21-02 से	**23** आर्द्रा 17-54 रा.श्रावण प्र. तिलक ज. भद्रा 15-32 तक मासशिवरात्रि १४ गु.हरकिशन ज.(न.मत)	**30** हस्त 21-53 रवियोग,राजयोग सर्वार्थसिद्धियोग 21-53 तक मु.नमीनाथ ज.,कल्की ज. कुमारयोग,रांधण छठ् वर्ण षष्ठी ६ श्रियाल छठ् श्रावण शुक्ल छठ्
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	**3** हस्त 13-50 जैन अट्ठाई प्रा. तुला चंद्र 27-19 रवियोग 13-50 से खरसी पूजा(त्रिपुरा) परशुरामाष्टमी(उ.) दुर्गाष्टमी ८ आषाढ़ शु.अष्टमी	**10** पूर्वाषाढ़ 29-56 चातुर्मास प्रा.(सन्या.) सत्यव्रत,व्यास पूजा गुरु पूर्णिमा, मन्वादि भद्रा 13-55 तक कोकिला व्रत प्रा. आषाढ़ी पू. जैन अट्ठाई पू. १५ वायु परीक्षा 19-20	**17** रेवती 27-39 पंचक 27-39 तक सर्वार्थसिद्धियोग मेष चंद्र 27-39 भद्रा 8-08 तक शीतला सप्तमी(उ.) कालाष्टमी ७ श्रावण कृष्ण सप्तमी	**24** पुनर्वसु 16-43 गुरू पुष्य योग अमृतसर्वार्थसिद्धियोग कर्क चंद्र 10-59 करकट पूजा(केरल) चितलागी अमा.(उ.) नेम व्रत प्रा. देवपितृकार्य अमा. हरियाली अमा. ३० सरस माधुरी ज.	**31** चित्रा 24-42 मु.प्रेमचंद ज. तुला चन्द्र 11-15 गो.तुलसीदास ज. भद्रा 28-59 से शीतला सप्तमी(सिंध) भानु सप्तमी ७ कल्याणधणी पदयात्रा प्रा.
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**4** चित्रा 16-50 श्री हरि जयंती गुप्त नवरात्रा पू. रवियोग मे.शरीफ भवानी(काश्मीर) भड़ल्या नवमी ९ आषाढ़ शुक्ल नवमी	**11** पूर्वाषाढ़ 5-56 मकर चंद्र 12-08 विश्व जनसंख्या दि. वैधृति पुण्यं १ श्रावण कृ.प्रतिपदा	**18** अश्विनी 26-14 सर्वार्थसिद्धियोग 26-14 तक श्रावण कृ.अष्टमी ८	**25** पुष्य 16-00 जीवंतिका पूजन श्रावण शु.प्रतिपदा १	सभी विभागों में अवकाश 6. मुहर्रम (ताजिया) राज.सरकार, सिविल, हाई कोर्ट में ऐच्छिक अवकाश 10. गुरू पूर्णिमा शिक्षा विभाग में उत्सव 10. गुरू पूर्णिमा 11. वि.जनसंख्या दिवस 23. लोकमान्य तिलक ज.
शनिवार Saturday शनीचर	**5** स्वाती 19-51 रवियोग कत्तल की रात(मु.) सर्वार्थसिद्धियोग 19-51 तक मनसा पूजा प्रा.(बं.) गुप्त नवरात्रोत्थापन पुनर्यात्रा मन्वादि १० गिरिजा दशमी पू. आशा दशमी व्रत	**12** उत्तराषाढ़ 6-36 अशून्य शयन व्रत त्रिपुष्कर 6-36 तक सर्वार्थसिद्धियोग 6-36 से जया पार्वती व्रत जागरण द्वि.शनिवार २ श्रावण कृ.द्वितीया	**19** भरणी 24-37 गु.हरिकिशन ज.(प्रा.मत) भद्रा 25-29 से श्रावण कृष्ण नवमी ९	**26** अश्लेषा 15-52 सिजारा सिंह चंद्र 15-52 चंद्रदर्शन अश्वत्थ मारुती पू. व्यतिपात पुण्यं २ श्रावण शु.द्वितीया	बिल्व पत्र चढ़ाने का मंत्र ''त्रिदलं त्रिगुणाकार त्रिनेत्रं च त्रिधायुतं त्रिजन्म पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणं श्री भगवते सांब शिवाय नमः। बिल्व पत्रं समर्पयामि।।''

ता. याद्दास्ती
1.............. 2.............. 3.............. 4.............. 5.............. 6.............. 7.............. 8.............. 9.............. 10.............. 11.............. 12.............. 13.............. 14.............. 15.............. 16.............. 17.............. 18.............. 19.............. 20.............. 21.............. 22.............. 23.............. 24.............. 25.............. 26.............. 27.............. 28.............. 29.............. 30.............. 31..............

दुकान की छुट्टी व समय छूट
5. व 6. ताजिया (2 दिन)
24.व 25. मे.हरि.अमा.(उदय.)
27. मेला तीज (एक दिन)

शिव वास ज्ञान- वर्तमान तिथि को 2 से गुणा करके 5 जोड़े, फिर 7 का भाग देवें, शेष 1 से कैलाश में, 2 से गौरी पार्श्व में, 3 से वृषारूढ़ में श्रेष्ठ व 4 से सभा में सामान्य, 5 से ज्ञान बेला में भी श्रेष्ठ, केवल 6 से क्रीड़ा में तथा 0 से शमशान में अशुभ होता हैं।

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए ''किशोर जंत्री (पंचांग)'' ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- ''सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन''

वार	हो. 1	हो. 2	हो. 3	हो. 4	हो. 5	हो. 6	हो. 7	हो. 8	हो. 9	हो. 10	हो. 11	हो. 12	हो. 13	हो. 14	हो. 15	हो. 16	हो. 17	हो. 18	हो. 19	हो. 20	हो. 21	हो. 22	हो. 23	हो. 24
रवि	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.
चंद्र	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.
मंगल	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.
बुध	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.
गुरू	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.
शुक्र	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.
शनि	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.

सिद्ध होरा मुहूर्त :- सूर्योदय से प्रारंभ होता है। प्रत्येक होरा का समय एक घण्टा है। स्वराशि स्वामी व मित्र ग्रहों का होरा शुभ एवं शत्रु ग्रहों का होरा अशुभ होता है। **सूर्य-** टेंडर देने, नौकरी, राजकार्य हेतु। **चंद्र-** सर्व कार्यों हेतु शुभ। **मंगल-** युद्ध, विवाद, द्यूत, यात्रा, सभा सोसायटी में जाना, कर्ज देना। **बुध-** विद्या, कला, काव्यारंभ, कोष संग्रह, व्यापार, प्रकाशन, प्रार्थना पत्र देने हेतु। **गुरू-** विवाह संबंधी कार्य, बड़ों से मिलन, कोष संग्रह, लेखन, प्रकाशन, शुभ कार्य। **शुक्र-** यात्रा, नवीन वस्त्र, आभूषण, सौभाग्य वर्धक कार्य, सिनेमा शूटिंग। **शनि-** द्रव्य संग्रह, भूमि, मकान की नींव, नूतन गृह प्रवेश, मशीनरी, मिल्स कार्यारंभ व समस्त स्थिर कार्यों हेतु शुभ होता है।

अधिकृत थोक विक्रेता :-
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक:-
किशोरी शरण एण्ड संस

श्री बुध का जप मंत्र :- ॐ बुं बुधाय नमः।। (जय जय श्री राधा वल्लभ श्री हित हरिवंश, जय जय श्री वृंदावन श्री वन चन्द्र॥ जय जय श्री राधे)

Composing By: Saurabh

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल

कापी राईट नं. L-123018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(10 श्रावण से 9 भाद्रपद शाकः 1947)

(6 सफर से 7 रवि उल अव्वल हिजरी सन् 1447)

अगस्त 2025

(श्रावण शुक्ल ८ से भाद्रपद शुक्ल ८ तक)

(विक्रम संवत् २०८२, वर्षा-शरद् ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	**31** ८ अनुराधा 17-27, वैधृति पुण्यं, महालक्ष्मी व्रत प्रा., श्री दधीच ज., म.पूर्णाहुति प्रा.(अलवर), रवियोग 11-55 तक, श्री दुर्गाष्टमी ८, भाद्रपद शु.अष्टमी	**3** ८ विशाखा 6-35, रवियोग 6-35 से, फ्रेंडशिप डे, श्री हरि ज., ९, श्रावण शु.नवमी	**10** १५ धनिष्ठा 13-52, त्रिपुष्कर 12-10 से, राजयोग 12-1…, गायत्री पुरश्चरण प्रा., गोगामेड़ी…, पंचक १, भाद्रपद कृ.प्रतिपदा	**17** २२ रोहिणी 27-17, रोहिणी व्रत(जैन), नन्द महोत्सव, मु.मे.गोगामेड़ी, गोगा नवमी ९, भाद्रपद कृ.नवमी	**24** २९ पूर्वफाल्गुन 26-06, राजयोग 11-49 से, त्रिपुष्कर 26-06 से, सर्वार्थसिद्धियोग 26-06 से, मौन व्रतारंभ १, प्र.प्र.दि.गु.ग्र.साहिब(प्रा.मत)
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 1, 11, 25, 28, 30; जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त 1, 4, 7 अगस्त; उग्र देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 10,11,25,28 अगस्त; व्यापार प्रारंभ मुहूर्त	**4** ९ अनुराधा 9-12, रवियोग, सर्वार्थसिद्धियोग 9-12 तक, हिंडोला यात्रा प्रा.(पुष्कर), भद्रा 24-31 से, १०, श्रावण वन सोमवार व्रत	**11** १६ शतभिषा 13-00, अशून्य शयन व्रत, चंद्रोदय 20-35, म.कजली तीज प्र.(बूंदी), भद्रा 21-39 से, पंचक २, भाद्रपद कृ.द्वितीया	**18** २३ मृगशिर 26-06, अमृतसर्वार्थसिद्धियोग, मिथुन चंद्र 14-40, भद्रा 6-22 से 17-23 तक, १०, भाद्रपद कृ.दशमी	**25** ३० उत्तराफाल्गुन 27-49, तेलाधर तप.(जैन), मु.रबी उल अव्वल प्रा., कन्या चंद्र 8-28, शंकर देव तिथि(असम), रवियोग 27-49 से, वराह ज. २, मे.रुणिचा रामदेव9दिन(जैसलमेर)
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	3,4,7,13,14,18,25, 27,28,30,31 अगस्त; स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त 27. बुध- गणेश चतुर्थी	**5** १० ज्येष्ठा 11-23, मंगला गौरी पू., धनु चंद्र 11-23, झूलन यात्रा प्रा., मनसा पूजा, दामोदर द्वादशी, भद्रा 13-13 तक, ११, पवित्रा एका.व्रत, वरद् लक्ष्मी व्रत रवियोग	**12** १७ पूर्वभाद्र 11-52, चंद्रोदय 21-09, म.कजली तीज प्र., पंचक ३, सातुड़ी तीज, संकष्ट चतुर्थी, कजली तीज व्रत	**19** २४ आर्द्रा 25-07, यमघंट 25-07 तक, त्रिपुष्कर 25-07 से, ११, अजा एका.व्रत, भाद्रपद कृ.एकादशी	**26** १ हस्त 30-04, हरतालिका तीज व्रत, चंद्रास्त 20-37, भद्रा 26-46 से, गौरी तृतीया व्रत, कलंक चौथ, अगस्त्य उदय ३, साम श्रावणी उपा., गु.रामदास पु.दि.(प्रा.मत)
बुधवार Wednesday बुध	गणेश पूजन मुहूर्त– 27 अगस्त को मध्याह्न समय में चतुर्थी होने से गणेश चतुर्थी इसी दिन मनायी जायेगी। मध्याह्न समय–दोपहर 11-11 से 13-46 तक, जिसमें दोपहर 12-10 से 12-54 बजे तक मध्याह्न काल सहित वृश्चिक लग्न सर्वश्रेष्ठ रहेगा। गणेश पूजन	**6** ११ मूल 13-00, वैधृति पुण्यं, यमघंट 13-00 तक, हिरोशिमा दि., विष्णु पवित्रारोपण, प्रदोष व्रत, पवित्रा द्वादशी १२, राजयोग 13-00 से	**13** १८ उत्तराभाद्र 10-32, पंचक, रक्षा पंचमी(उ.), वि.वामहस्त दि., ४-५, भाद्रपद कृ.चतुर्थी/पंचमी	**20** २५ पुनर्वसु 24-27, बीछ बारस, राजीव गांधी ज., सद्भावना दि., प्रदोष व्रत १२, गोवत्स द्वादशी, जैन पर्युषण प्रा.(चतु.पक्ष)	**27** ३ चित्रा 32-43, वरद् विनायक चतुर्थी, तुला चंद्र 19-21, जैन संवत्सरी(चतु.पक्ष), भद्रा 15-45 तक, ४, महागणपति चतुर्थी, मे.मोती डूंगरी गणेशजी
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	चौघड़िया मुहूर्त– लाभ-अमृत का चौघड़िया प्रातः 6-05 से 9-15, शुभ का चौघड़िया प्रातः10-53 से 12-28, चर-लाभ का चौघड़िया दोपहर 3-40 से सायं 6-52 बजे तक रहेगा।	**7** १२ पूर्वाषाढ़ 14-01, मकर चंद्र 20-11, रवियोग 14-01 से, अर्हतेक सगोत्री(जै.), शिवलिंगारोपण, १३, श्रावण शु.त्रयोदशी	**14** १९ रेवती 9-06, चंद्रोदय 22-19, रवियोग 9-06 से, मेष चंद्र 9-06, भद्रा 28-07 से, रक्षा छठ, हल षष्ठी, ललही छठ ६, चाँद छठ व्रत, पंचक 9-06 तक	**21** २६ पुष्य 24-08, गुरु पुष्य योग, जैन पर्युषण प्रा.(पंच.पक्ष), अमृतसर्वार्थसिद्धियोग, अघोरा चतुर्दशी व्रत, भद्रा 12-45 से 24-17 तक, व्यतिपात पुण्यं १३, मास शिवरात्रि, कैलाश यात्रा प्रा.(2दिन)	**28** ४ चित्रा 8-43, मे.गढ़गणेश जी, रक्षा पंचमी(बंगाल), रवियोग 8-43 से, मे.पाट(कामां), ऋषि पंचमी, भाई पाँच ५, जैन संवत्सरी(पंचमी पक्ष)
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**1** ७ स्वाती 27-40, रवियोग 27-40 से, विश्व स्तनपान दि., जीवंतिका पू., मु.सफर, तिलक पु.दि., भद्रा 18-11 तक, दुर्गाष्टमी ८, श्रावण शुक्ल अष्टमी	**8** १३ उत्तराषाढ़ 14-28, हयग्रीव ज., सर्वार्थसिद्धियोग 14-28 से, सत्यव्रत, भद्रा 14-12 से 25-52 तक, १४, जीवंतिका पू., नारियली पू., रवियोग 14-28 तक	**15** २० अश्विनी 7-36, पारसी सन् 1395 प्रा., भार.स्वतंत्रता दि., रवियोग, राजयोग, भद्रा 12-59 तक, थदड़ी(सिंधी), ७, जीवंतिका पूजन, श्री कृष्ण जन्माष्टमी(स्मा.)	**22** २७ अश्लेषा 24-16, पिठौरी अमा., सिंह चंद्र 24-16, शरद ऋतु प्रा., जैन तुलसी…, जीवंतिका पू., पितृकार्य अमा. १४, भाद्रपद कृ.चतुर्दशी	**29** ५ स्वाती 11-38, लोलार्क कुंड स्नान, बलराम ज., मे.भुजलिया(उ.प्र.), रा.खेल दि., ६, सूर्य षष्ठी व्रत, कार्तिक स्वामी दर्शन
शनिवार Saturday शनीचर	**2** ८ विशाखा 30-35, अश्वत्थ मारुती पू., वृश्चिक चंद्र 23-52, मे.मंशा देवी(प्र.), ८, श्रावण शुक्ल अष्टमी	**9** १४ श्रवण 14-23, पंचक 26-11 से, रक्षाबंधन, संस्कृत दि., कुंभ चंद्र 26-11, सर्वार्थसिद्धियोग, आदिवासी दि., श्रावणी पू. १५, बलभद्र पू.(उ.), अमरनाथ, झूलन यात्रा पू.	**16** २१ भरणी 6-06, कृत्तिका 28-38, अश्वत्थ मारुती पू., श्री कृष्ण ज., कालाष्टमी ८, मंत ज्ञानेश्वर ज., श्री कृष्ण जन्माष्टमी(वै.)	**23** २८ मघा 24-55, रा.भाद्रपद प्रा., शहादते इमाम हसन(मु.), कुशाग्रहणी अमा., लोहार्गल यात्रा…, मे.राणी सती(झुंझुनू), देवकार्य अमा. ३०, शनैश्चरी अमा, अश्वत्थ मारुती पू.	**30** ६ विशाखा 14-37, मे.देवनारायण जी, त्रिपुष्कर 14-37 तक, वृश्चिक चंद्र 7-54, भद्रा 22-47 से, मुक्ताभरण सप्तमी, भाद्रपद शु. ७, संतान,दुबड़ी,ललिता सप्तमी

ता. याद्दास्ती

1.........
2.........
3.........
4.........
5.........
6.........
7.........
8.........
9.........
10.........
11.........
12.........
13.........
14.........
15.........
16.........
17.........
18.........
19.........
20.........
21.........
22.........
23.........
24.........
25.........
26.........
27.........
28.........
29.........
30.........
31.........

दुकान की छुट्टी व समय छूट

9. रक्षाबन्धन
12. सातुडी तीज (बीकानेर)
15. स्वतन्त्रता दिवस
16. श्री कृष्ण जन्माष्टमी
27. गणेश चतुर्थी
28. व 29.मे.छठ् (धौलपुर)

नवग्रह की अंगूठी का नमूना

पन्ना	हीरा	मोती
पुखराज	माणक	मूंगा
लहसुनिया	नीलम	गोमेदक

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- "सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन"

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
9. वि.आदिवासी दिवस, रक्षाबन्धन	9. रक्षाबन्धन	9. वि.आदिवासी दिवस, रक्षाबन्धन	9. वि.आदिवासी दिवस, रक्षाबन्धन	9. रक्षाबन्धन (ऐच्छिक)
15. भारतीय स्वतन्त्रता दिवस	15. भारतीय स्वतन्त्रता दिवस	15. स्वतन्त्रता दिवस	9. संस्कृत दिवस (उत्सव)	15. भारतीय स्वतन्त्रता दिवस
15. थदड़ी (ऐच्छिक)	16. जन्माष्टमी	15. थदड़ी (ऐच्छिक)	15. स्वतन्त्रता दिवस (उत्सव, अव.)	15. पारसी नववर्ष (ऐच्छिक)
16. जन्माष्टमी		16. जन्माष्टमी	16. जन्माष्टमी (उत्सव, अवकाश)	15. जन्माष्टमी स्मार्त (ऐच्छिक)
17. जन्माष्टमी (कोटा)		17. जन्माष्टमी (कोटा)	21. से 23. प्रथम परख आयोजन	16. जन्माष्टमी वैष्णव
27. गणेश चतुर्थी (ऐच्छिक)		27. गणेश चतुर्थी (ऐच्छिक)	27. गणेश चतुर्थी (ऐच्छिक)	27. गणेश चतुर्थी (ऐच्छिक)
28. संवत्सरी (ऐच्छिक)		28. संवत्सरी (ऐच्छिक)	28. संवत्सरी (ऐच्छिक)	

जैन णमोकार मंत्र

णमो अरिहंताणम्
णमो सिद्धाणम्
णमो आइरियाणम्
णमो उवज्झायाणम्
णमो लोए सव्व साहूणम्

स्वतंत्रता एवं संविधान दोनों देश के विकास के लिये है, अवसान के लिये नहीं।

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर

सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532

प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादकः अशोक अग्रवाल

कापी राईट नं. L-123018/2023

प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

(10 भाद्रपद से 8 आश्विन शाकः 1947)
(8 रवि उल अव्वल से 7 रवि उल सानि हि.सन् 1447)

सितंबर 2025

(भाद्रपद शुक्ल ९ से आश्विन शुक्ल ८ तक)
(विक्रम संवत् २०८२, शरद् ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 4 सितम्बर; उग्रदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त 4, 5, 27 सितम्बर; व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 4, 22, 27 सितम्बर	**7** — शतभिषा 21-41; पूर्णिमा, पौष्ठपदी श्राद्ध; चातुर्मास पू.(सन्या.); भागवत् सप्ताह पू.; खग्रास चंद्रग्रहण; मे.गोगामेड़ी; सत्यव्रत; गोत्रि रात्रि व्रत पू.; भद्रा 12-43 तक; पंचक; गु.अमरदास पु.दि.(प्रा.मत); १५	**14** — रोहिणी 8-41; रोहिणी व्रत (जैन); मिथुन चंद्र 20-03; हिन्दी दिवस; महालक्ष्मी व्रत पू.; कालाष्टमी; अष्टमी का श्राद्ध; आश्विन कृ.अष्टमी; ८	**21** — पूर्वाफाल्गुन 9-32; सर्व पितृ श्राद्ध; कन्या चन्द्र 15-58; सर्वार्थसिद्धियोग; खंडग्रास सूर्यग्रहण (भारत में अदृश्य); महालय पू.; देवपितृकार्य अमा.; ३०	**28** — ज्येष्ठा 27-55; मे.छठ्(आमेर); धनु चन्द्र 27-55; सर्वार्थसिद्धियोग; तप षष्ठी(उ.); वि.रेबीज दि.; जैन ओली प्रा.; रवियोग 27-55 तक; ६
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	**1** — ज्येष्ठा 19-55; रवियोग, कुमारयोग; भागवत् सप्ताह प्रा.; धनु चंद्र 19-55; प्र.प्र.दि.गु.ग्र.साहिब(न.मत); तल नवमी(उ.); श्री हरि ज.; अदुःख नवमी; श्री चंद्र नवमी(उदा.संप्र.); ९	**8** — पूर्वाभाद्र 20-02; प्रतिपदा का श्राद्ध; कुमारयोग 20-02 तक; मीन चंद्र 14-29; पंचक; क्षमावणी पर्व(जैन); महालयारंभ; वि.साक्षरता दि.; आश्विन कृ.प्रतिपदा; १	**15** — मृगशिर 7-31; सौभाग्यवतीनां श्राद्ध; अमृतसर्वार्थसिद्धियोग; व्यतिपात पुण्यं; नवमी का श्राद्ध; इंजीनियर्स दि.; मातृ नवमी; आश्विन कृ.नवमी; ९	**22** — उत्तराफाल्गुन 11-24; सूर्य दक्षिण गोल में; विषुव दिन, शरद् संपात; मे.कैलादेवी(करौली); गु.नानकदेव पु.दि.(न.मत); मातामह श्राद्ध; अग्रसेन ज.; घट् स्थापना; आश्विन शु.; शारदीय नवरात्रा प्रा.; १	**29** — मूल 30-17; महालक्ष्मी पूं.; सरस्वती आह्वान; दुर्गा पू.प्रा.(बं.); भद्रा 16-32 से 29-24 तक; महासप्तमी; आश्विन शु.सप्तमी; ७
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	**2** — मूल 21-51; सुगंध धूप दशमी; बाबा रामदेव ज.; दशावतार ज.; खेजड़ली शहीद दि.; मे.तेजाजी; तेजा दशमी; भाद्रपद शु.दशमी; १०	**9** — उत्तराभाद्र 18-07; राजयोग 18-07 तक; अशून्य शयन व्रत; पंचक; भद्रा 29-04 से; सर्वार्थसिद्धियोग; द्वितीया का श्राद्ध; आश्विन कृ.द्वितीया; २	**16** — आर्द्रा 06-46; कन्या संक्रांति; कर्क चंद्र 24-28; गु.रामदास, गु.अमरदेव पु.दि.(न.मत); भद्रा 12-54 से 24-22 तक; दशमी का श्राद्ध; गु.नानक पु.दि.(प्रा.मत); १०	**23** — हस्त 13-40; राजयोग 13-40 से; तुला चंद्र 26-56; त्रिपुष्कर 13-40 से; चंद्रदर्शन; रा.आश्विन प्रा.; आश्विन शु.द्वितीया; २	**30** — पूर्वाषाढ़ 32-06; मे.दशहरा प्रा.(कोटा); मे.ज्वालामुखी(उ.प्र.); सरस्वती पू.; दुर्गाष्टमी, महाष्टमी; मत्स्य उत्सव(अलवर); आश्विन शु.अष्टमी; ८
बुधवार Wednesday बुध	**3** — पूर्वाषाढ़ 23-08; डोल ग्यारस(म.प्र.); रवियोग 23-08 तक; मकर चंद्र 29-21; मे.चारभुजानाथ; भद्रा 16-13 से 28-22 तक; परिवर्तनी एका.; जलझूलनी एका.व्रत; ११	**10** — रेवती 16-03; चंद्रोदय 20-18; ईद ए मीलाद(मु.); मेष चंद्र 16-03; पंचक; पंत ज.; भद्रा 15-38 तक; पंचक 16-03 तक; चतुर्थी व्रत; तृतीया, चतुर्थी का श्राद्ध; ३	**17** — पुनर्वसु 6-26; एकादशी का श्राद्ध; राजयोग; विश्वकर्मा पूजा; इंदिरा एका.व्रत; आश्विन कृ.एकादशी; ११	**24** — चित्रा 16-16; मु.रबी उल सानि प्रा.; रवियोग, राजयोग; आश्विन शु.तृतीया; ३	**स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त** 3. जल झूलनी एकादशी
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	**4** — उत्तराषाढ़ 23-44; विजया महाद्वादशी व्रत; भुवनेश्वरी ज.; वामन ज.; श्रवणा द्वादशी व्रत; भाद्रपद शु.द्वादशी; १२	**11** — अश्विनी 13-58; पंचमी, भरणी का श्राद्ध; सर्वार्थसिद्धियोग 13-58 तक; माधव देव तिथि (आसाम); विनोबा भावे, भूदान ज.; ४	**18** — पुष्य 6-32; संयासियों का श्राद्ध; गुरु पुष्य योग; अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 6-32 तक; द्वादशी का श्राद्ध; आश्विन कृ.द्वादशी; १२	**25** — स्वाती 19-09; माना चतुर्थी(बं.); रवियोग 19-09 तक; भद्रा 20-19 से; वैधृति पुण्यं; विनायक चतुर्थी; आश्विन शु.तृतीया; ३	
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**5** — श्रवण 23-38; बारावफात(मु.); रवियोग 23-38 से; ईद ए मिलाद(मु.); डॉ.राधाकृष्णन ज.; शिक्षक दिवस; ओणम्(के.); प्रदोष व्रत; गोत्रि रात्रि व्रत प्रा.; १३	**12** — भरणी 11-58; छठ, कृत्तिका का श्राद्ध; वृष चंद्र 17-30; रवियोग 11-58 से; आश्विन कृ.पंचमी; ५	**19** — अश्लेषा 7-05; मासशिवरात्रि; सिंह चंद्र 7-05; कलियुगादि तिथि; त्रयोदशी, मघा का श्राद्ध; भद्रा 23-37 से; प्रदोष व्रत; आश्विन कृ.त्रयोदशी; १३	**26** — विशाखा 22-09; रवियोग, कुमारयोग; वृश्चिक चंद्र 15-24; सर्वार्थसिद्धियोग; भद्रा 9-33 तक; ललिता पंचमी; उपांग ललिता व्रत; ४	
शनिवार Saturday शनीचर	**6** — धनिष्ठा 22-55; अनंत चतुर्दशी व्रत; पंचक 11-21 से; कुम्भ चंद्र 11-21; रवियोग 22-55 तक; भद्रा 25-41 से; सर्वार्थसिद्धियोग; भाद्रपद शु.चतुर्दशी; १४	**13** — कृत्तिका 10-11; सप्तमी का श्राद्ध; अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 10-11 से; रवियोग; भद्रा 7-23 से 18-12 तक; द्वि.शनिवार; त्रिपुष्कर 7-23 से; ६-७	**20** — मघा 8-05; चतुर्दशी का श्राद्ध; भद्रा 11-54 तक; आश्विन कृ.चतुर्दशी; १४	**27** — अनुराधा 25-08; नाग पंचमी(उ.); विश्व पर्यटन दि.; रवियोग; आश्विन शु.पंचमी; ५	

संकट की घडी से निवृत होने के लिए अचूक मंत्र– आपदाम् पहर्तारं दातारं सर्व संपदाम्। लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम्।। इस मंत्र को चैत्र या आश्विन मास के नवरात्रों में अधिकाधिक जपने से संकट की घडी का निवारण होकर विशेष फल की प्राप्ति होती है।

व्यापार वृद्धि कारक यंत्र

५०	५७	२	७
६	३	५४	५३
५६	५१	८	१
४	५	५२	५५

विधि– इस यंत्र को नदी से पानी लेकर उसमें केसर घोलकर चमेली की कलम से भोजपत्र पर लिखें। शुक्रवार के दिन पवित्र होकर 700 यंत्र लिखें, फिर एक यंत्र अपने पास रखकर बाकी के यंत्र आटे की गोलियों में भरकर मछलियों को खिला दें। एक यंत्र अपनी दुकान पर भी लिख दें। इससे व्यापार संबंधी सभी विघ्न बाधाऐं दूर होकर बिक्री मे बढ़ोत्तरी व लाभ होगा।

ता. याद्दास्ती

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....
11. ....
12. ....
13. ....
14. ....
15. ....
16. ....
17. ....
18. ....
19. ....
20. ....
21. ....
22. ....
23. ....
24. ....
25. ....
26. ....
27. ....
28. ....
29. ....
30. ....

दुकान की छुट्टी व समय छूट
2. से 3. मे.तेजाजी(ब्यावर)
3. जलझूलनी एका.(उदय.)

यात्रा में चन्द्र विचार– "जिस दिशा में यात्रा करनी हो उसी दिशा का एवं दाहिना चंद्रमा उत्तम तथा पीछे व बायां चंद्रमा अशुभ होता है। यथाः– संमुखो अर्थलाभाय दक्षिणे सुख संपदः पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धन क्षयः।।"

कर्तव्य निर्वाह करते हुए जीवन को सुन्दर एवं सार्थक बनावें

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- "सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन"

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ
2. रामदेव जयंती, तेजा दशमी
2. खेजड़ली शहीद दिवस
5. बारावफात (चांद से)
6. अनन्त चतुर्दशी (ऐच्छिक)
22. नवरात्रा स्थापना, अग्रसेन जयंती
30. दुर्गाष्टमी, महाष्टमी

राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ
22. नवरात्रा स्थापना

शारदीय नवरात्रा में घट् स्थापना समय 22 सितंबर को द्विस्वभाव कन्या लग्न व अमृत का चौघड़िया प्रातः 6-19 से 7-49 तक शुभ का चौघड़िया प्रातः 9-19 से 10-49 तक है। अभिजित समय दोपहर 11-55 से 12-43 तक श्रेष्ठ।

हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ
2. रामदेव जयंती, तेजा दशमी
2. खेजड़ली शहीद दिवस
5. बाराबफात (चांद से)
6. अनन्त चतुर्दशी (ऐच्छिक)
22. नवरात्रा स्थापना, अग्रसेन जयंती
30. सितं. से 2.अक्टू.दशहरा अवकाश

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ
2. रामदेव जयंती (अवकाश,उत्सव)
5. शिक्षक दिवस (उत्सव)
5. बारावफात (चांद से)
8. विश्व साक्षरता दिवस (उत्सव)
14. हिन्दी दिवस (उत्सव)
22. नवरात्रा स्थापना (अवकाश)
23. किशोर जागृति दिवस (उत्सव)
30. दुर्गाष्टमी (अवकाश)

भारत सरकार की छुट्टियाँ
5. ओणम् (ऐच्छिक)
5. ईद ए मिलाद (चांद से)
29. महासप्तमी (ऐच्छिक)
30. महाष्टमी (ऐच्छिक)

चंद्र दिशा ज्ञान– मेष, सिंह, धनु का चंद्रमा पूर्व में, वृष, कन्या, मकर का दक्षिण में, मिथुन, तुला, कुंभ का पश्चिम में व वृश्चिक, कर्क, मीन राशि का चंद्रमा उत्तर दिशा में होता है।

क्षमा प्रार्थना मंत्र– मंत्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं जनार्दन। यत्पूजितं मया देव परिपूर्ण तदस्तु मे।।

नोट– 7 सितंबर को खग्रास चंद्रग्रहण रात्रि 9-58 से मध्यरात्रि 1-27 तक संपूर्ण भारत में दिखाई देगा। **ग्रहण का सूतक** – 7 सितंबर को दोपहर 12-58 से प्रारम्भ।

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर

सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532

प्रकाशक:- किशोरी शरण एण्ड संस

Composing By: Saurabh

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादकः
अशोक अग्रवाल
(9 आश्विन से 9 कार्तिक शाकः 1947)
(8 रवि उल सानि से 8 जमादि उल अव्वल हि.सन्1447)

कापी राईट नं. L-123018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

प्रकाशक :
किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर
(आश्विन शुक्ल ६ से कार्तिक शुक्ल ६ तक)
(विक्रम संवत् २०८२, शरद्-हेमंत ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

अक्टूबर 2025

वार					
रविवार **Sunday** इतवार (सूर्य)	**दीपावली पूजन समय** 21 अक्टूबर को प्रदोष काल में अमावस्या होने से जयपुर में दीपावली इसी दिन मनायी जायेगी। लक्ष्मी पूजन समय- प्रदोष काल - सायं 5-49 से 8-17 तक, वृष लग्न- सायं 7-14 से रात्रि 9-11 तक, सिंह लग्न- मध्यरात्रि बाद 1-44 से 4-00 बजे तक। चौघड़िया मुहूर्त- लाभ का चौघड़िया सायं 7-24 से रात्रि 8-59 तक, शुभ, अमृत,चर का चौघड़िया- रात्रि 10-34 से 3-21 तक। सबसे उत्तम समय- सायं 7-27 से 7-40 बजे तक,जिसमें प्रदोष काल व स्थिर वृष लग्न भी रहेगा।	१२ शतभिषा 8-01 पूर्वाभाद्र 30-16 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग, मीन चंद्र 24-45 **5** १३ यमघंट 8-01 से, पंचक रवियोग आश्विन शु.त्रयोदशी	१९ मृगशिर 13-36 रवियोग 13-36 से **12** ६ भद्रा 14-17 से 25-16 तक कार्तिक कृष्ण छठ्	२६ उत्तराफाल्गुन 17-49 पद्म प्रभु ज.(जैन) नरक,रूप चतुर्दशी निमित्त सायं दीपदान, अरुणोदय स्नान **19** १३ हनुमान ज.(उ.भारत), भद्रा 13-52 से 26-46 तक मास शिवरात्रि	३ ज्येष्ठा 10-46 पांडव,ज्ञान पंचमी धनु चन्द्र 10-46, सर्वार्थसिद्धियोग **26** ५ गु.गोविंद सिंह पु.दि.(प्रा.मत), डाला छठ् व्रत प्रा. उद्येन(बि.) सौभाग्य पंचमी रवियोग 10-46 तक
सोमवार **Monday** पीर (चन्द्र)		१३ उत्तराभाद्र 28-02 सत्य पू.व्रत मारवाड़ उत्सव 2 दिन (जोधपुर), कोजागरी व्रत **6** १४ भद्रा 12-24 से 22-53 तक, पंचक शरद् पूर्णिमा आश्विन शु.चतुर्दशी	२० आर्द्रा 12-27 चंद्रोदय 23-33 कर्क चंद्र 29-59, अहोई अष्टमी, रवियोग **13** ७ अरुणोदय काल में राधाकुंड स्नान(मथुरा) कालाष्टमी कार्तिक कृ.सप्तमी	२७ हस्त 20-16 चंद्रोदय 5-19 नरक,रूप चतुर्दशी निमित्त प्रभात स्नान **20** १४ (सरकारी गजटानुसार) दीपावली वैधृति पुण्यं कार्तिक कृ.चतुर्दशी	४ मूल 13-27 रवियोग 13-27 से **27** ६ कुमारयोग 13-27 तक कार्तिक शु.छठ्
मंगलवार **Tuesday** मंगल (भौम)	**गोधूलि समय विचारः**- सूर्यास्त से 12 मिनट पूर्व का एवं 12 मिनट बाद का कुल समय 24 मिनट का गोधूलि समय कहलाता है।	१४ रेवती 25-28 जैन ओली पू. पंचक 25-28 तक, मेष चंद्र 25-28, कार्तिक स्नान प्रा. **7** १५-१ अमृतसर्वार्थसिद्धियोग, वाल्मिकी ज., मे.शरद् प्रा.(धौलपुर) मे.सालासर बालाजी	२१ पुनर्वसु 11-54 वि.मानक दि. **14** ८ कार्तिक कृ.अष्टमी	२८ चित्रा 22-58 दीपावली केदार गौरी व्रत(द.भा.), तुला चंद्र 9-36 **21** ३० महावीर स्वा.निर्वाण दि., कमला ज. देवपितृकार्य अमा. महालक्ष्मी,महाकाली पू.	५ पूर्वाषाढ़ 15-45 रवियोग,राजयोग मकर चन्द्र 22-14, सूर्य षष्ठी व्रत प्रा. **28** ६ डाला छठ् अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य(बि.) कल्पादि त्रिपुष्कर 15-45 से
बुधवार **Wednesday** बुध	८ पूर्वाषाढ़ 8-06 रवियोग 8-06 से मकर चन्द्र 14-27, वि.शाकाहार दि., वि.वृद्धजन दि. **1** ९ श्री हरि ज.,मन्वादि, सरस्वती बलिदान, नवरात्रा पूर्ण महानवमी आश्विन शु.नवमी	१५ अश्विनी 22-45 गु.रामदास ज.(प्रा.मत) राजयोग 22-45 से **8** २ भार.वायुसेना दि. अशून्य शयन व्रत कार्तिक कृ.द्वितीया	२२ पुष्य 12-00 गु.हरिराय पु.दि.(प्रा.मत) **15** ९ भद्रा 22-30 से कार्तिक कृ.नवमी	२९ स्वाती 25-51 जैन संवत्2552प्रा. अन्नकूट,गोवर्धन पू., बलिराज पू. **22** १ गुजराती नववर्ष प्रा., गौक्रीड़ा कार्तिक शुक्लादि कार्तिक शु.प्रतिपदा	६ उत्तराषाढ़ 17-30 डाला छठ् उदयगामी सूर्य को अर्घ्य(बि.) **29** ७ भद्रा 9-23 से 21-51 तक जलाराम ज. अष्टाह्निका महापर्व प्रा.(जैन)
गुरूवार **Thursday** जुम्मेरात	९ उत्तराषाढ़ 9-13 विजयादशमी(दशहरा) श्री माधवाचार्य ज., आयुध पूजा रवियोग **2** १० सरस्वती विसर्जन, म.गांधी,शास्त्री ज. नवरात्रौत्थापन आश्विन शु.दशमी	१६ भरणी 20-02 यमघंट 20-02 से वृष चंद्र 25-23, वि.डाक दि. **9** ३ भद्रा 12-38 से 22-55 तक वि.दृष्टि दि. कार्तिक कृ.तृतीया	२३ अश्लेषा 12-42 वि.खाद्य दि. सिंह चंद्र 12-42 **16** १० भद्रा 10-36 तक कार्तिक कृ.दशमी	३० विशाखा 28-51 हेमंत ऋतु प्रा. वृश्चिक चंद्र 22-06 से, रवियोग 28-51, चंद्रदर्शन **23** २ विश्वकर्मा दि.,चित्रगुप्त पू., कलम,दवात पू.(बि.), भाईदूज रा.कार्तिक प्रा. यम द्वितीया कार्तिक शु.द्वितीया	७ श्रवण 18-33 मे.पुष्कर प्रा.(अजमेर) **30** ८ अक्षय कुष्मांड नवमी गोपाष्टमी कार्तिक शु.अष्टमी
शुक्रवार **Friday** जुम्मा (भृगु)	१० श्रवण 9-34 पंचक 21-27 से कुंभ चंद्र 21-27, सर्वार्थसिद्धियोग **3** ११ भद्रा 6-58 से 18-33 तक, भरत मिलाप पापांकुशा एका.व्रत आश्विन शु.एकादशी	१७ कृत्तिका 17-31 यमघंट 17-31 से भार.डाक दि., कुमारयोग **10** ३ चंद्रोदय 20-27 दशरथ चतुर्थी करक,करवा चौथ व्रत	२४ मघा 13-57 गोवत्स द्वादशी बीछ बारस **17** ११ तुला संक्रांति रमा एका.व्रत कार्तिक कृ.एकादशी	१ अनुराधा 31-51 सर्वार्थसिद्धियोग मु.जमादि उल अव्वल प्रा. **24** ३ राजयोग,रवियोग संयुक्त राष्ट्र दि. कार्तिक शु.तृतीया	८ धनिष्ठा 18-51 मथुरा प्रदक्षिणा कुंभ चंद्र 6-48 **31** ९ इंदिरा गांधी पु.दि. रवियोग, सरदार पटेल ज. संकल्प दि. आंवला नवमी पंचक 6-48 से
शनिवार **Saturday** शनीचर	११ धनिष्ठा 9-09 शनि प्रदोष व्रत ग्यारवीं शरीफ(मु.), वि.पशु दि. **4** १२ त्रिपुष्कर 9-09 तक पंचक आश्विन शु.द्वादशी	१८ रोहिणी 15-20 रोहिणी व्रत(जैन) मिथुन चंद्र 26-24, द्वि.शनिवार **11** ५ अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 15-20 तक व्यतिपात पुण्यं कार्तिक कृ.पंचमी	२५ पूर्वाफाल्गुन 15-41 धनवंतरी ज. कन्या चंद्र 22-11, धनतेरस **18** १२ धनत्रयोदशी निमित्त सायं यम दीपदान शनि प्रदोष व्रत कार्तिक कृ.द्वादशी	२ अनुराधा 7-51 रवियोग 7-51 से दूर्वा गणपति व्रत **25** ४ भद्रा 14-35 से 27-49 तक विनायक चतुर्थी कार्तिक शु.चतुर्थी	**गृहारंभ (नींव) मुहूर्त** 24 अक्टूबर **जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त** 15,18,22,23,24,29,31 **उग्रदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त** 2, 24 अक्टूबर **व्यापार प्रारंभ मुहूर्त** 2,8,15,18,19,24,29

ता. याददास्ती

1......................
2......................
3......................
4......................
5......................
6......................
7......................
8......................
9......................
10......................
11......................
12......................
13......................
14......................
15......................
16......................
17......................
18......................
19......................
20......................
21......................
22......................
23......................
24......................
25......................
26......................
27......................
28......................
29......................
30......................
31......................

दुकान की छुट्टी व समय छूट
1. से 2. दशहरा (2 दिन)
7. मेला शरद् (धौलपुर)
19. से 23. दीपावली
30. से 5.नवं.मे.पुष्कर(अज.)

समय परिवर्तन
दि.16 अक्टूबर से प्रातः 9-30 बजे से रात्रि 7-30 बजे तक।

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त
2. गुरू- दशहरा
18. शनि- धनतेरस
21. मंगल- दीपावली

नोटः कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- "सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन"

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
1. महानवमी (ऐच्छिक) 2. विजयादशमी व गांधी जयंती 10. करवा चौथ (ऐच्छिक) 20. दीपावली 22. गोवर्धन पूजा 23. भाई दूज	2. विजयादशमी, महात्मा गांधी ज. 20. दीपावली 22. गोवर्धन पूजा	1. महानवमी (ऐच्छिक) 2. विजयादशमी, म.गांधी जयंती 10. करवा चौथ (ऐच्छिक) 18. से 23. दीपावली अवकाश	1. विद्यालय समय परिवर्तन 2. दशहरा,गांधी व शास्त्री ज.(अव.,उ.) 7. से 9. द्वितीय परख 11. अंतर्राष्ट्रीय बालिका दि.(उत्सव) 16. से 26. मध्यावधि अवकाश 24. संयुक्त राष्ट्र दिवस (उत्सव) 31. इन्दिरा गांधी पु.दि.(संकल्प दिन)	1. महानवमी (ऐच्छिक) 2. विजयादशमी, म.गांधी जयंती 7. वाल्मिकी जयंती (ऐच्छिक) 10. करवा चौथ (ऐच्छिक) 20. नरक चतुर्दशी(ऐ.) दीपावली अव. 22. गोवर्धन पूजा(ऐ.) 23.भाईदूज(ऐ.) 28. छठ् पूजा, सूर्य छठ् (ऐच्छिक)

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाऐं

श्री गोपाल सहस्त्रनाम एवं श्री सुक्त का पाठ करने से श्री वृद्धि एवं घर में सुख शांति का वातावरण बनता है, अतः इनका नियमित पाठ करना चाहिये। HAPPY DEEPAWALI

दीपावली पर्व निर्णय- इस वर्ष अमावस्या तिथि 20 अक्टू.को सायं 3-46 से 21 अक्टू.को सायं 5-55 तक है,यद्यपि दोनों दिन प्रदोषकाल के समय अमावस्या होने से दीपावली पर्व शास्त्रानुसार दूसरे दिन अर्थात् 21 अक्टू.को ही मनाना चाहिये, लेकिन कुछ स्थानों पर सूर्यास्त के समय में अंतर होने से 21 अक्टू.को प्रदोषकाल के समय प्रतिपदा तिथि होने से दीपावली पर्व 20 अक्टू.को मनाया जायेगा। विस्तृत जानकारी हेतु "श्री जयमार्तण्ड पचांग" देखे।

गुरूर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णुः गुरूर्देवो महेश्वरः। गुरूः साक्षात् परं ब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः।।

अधिकृत थोक विक्रेता :-
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशकः-
किशोरी शरण एण्ड संस

श्री शनि का जप मंत्र :- ॐ शं शनैश्चराय नमः।। ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शं शनैश्चराय नमः।। (सौभाग्य लक्ष्मी का जप मंत्रः- ॐ श्रीं श्रियै नमः।।)

नोटः- संभवतः विभाग पूर्व घोषित दीपावली अवकाश 20 अक्टूबर के स्थान पर 21 अक्टूबर कर सकते है। कृपया विभागीय गजट देखें।

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक:
अशोक अग्रवाल
काापी राईट नं. L-123018/2023
प्रकाशक :
किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

(10 कार्तिक से 9 मार्गशीर्ष शाकः 1947)
(9 जमादि उल अव्वल से 8 जमादि उल सानि हि.स.1447)

नवंबर 2025

(कार्तिक शुक्ल १० से मार्गशीर्ष शुक्ल १० तक)
(विक्रम संवत् २०८२, हेमन्त ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	९ उत्तराभाद्र 25-11 पंचक **30** १० मार्गशीर्ष शु.दशमी सर्वार्थसिद्धियोग 25-11 तक रवियोग 25-11 तक	१० पूर्वभाद्र 17-03 चातुर्मास व्रत पू. मन्वादि तुलसी विवाह प्रा. **2** पंचक ११-१२ देव उठनी एका.(वै.) भद्रा 7-32 तक सर्वार्थसिद्धियोग त्रिपुष्कर 7-32 से मीन चंद्र 11-27 कालीदास ज., पंढरपुर यात्रा	१७ आर्द्रा 20-04 **9** ५ मार्गशीर्ष कृ.पंचमी दीक्षा दिवस(जैन) सुविधानाथ ज.(जैन)	२४ हस्त 26-11 वृश्चिक संक्रांति **16** १२ राजयोग 26-11 से अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 26-11 तक त्रिपुष्कर 26-11 से तिथिवासर 9-10 तक	प्र. १ मूल 19-28 रवियोग 19-28 से **23** ३ मार्गशीर्ष शु.तृतीया सर्वार्थसिद्धियोग 19-28 तक मु.जमादि उल सानि
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	शुभ विवाह मुहूर्त 22,23,24,25,27,29,30 गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 3, 7, 15 नवम्बर जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त 1,3,7,10,15,17,21,24 ,26,27,28,29 नवम्बर	११ उत्तराभाद्र 15-05 बैकुंठ चतुर्दशी व्रत **3** १३ सोम प्रदोष व्रत कार्तिक शु.त्रयोदशी रवियोग 15-05 से पंचक राधा वल्लभ पाटोत्सव	१८ पुनर्वसु 18-48 बूंदी महोत्सव पू. **10** ६ छींट छठ् रवियोग 18-48 से कुमारयोग 18-48 तक कर्क चंद्र 13-03 सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 24-08 से	२५ चित्रा 29-01 सोम प्रदोष व्रत **17** १३ मार्गशीर्ष कृ.त्रयोदशी तुला चंद्र 15-35 लाला लाजपतराय पु.दि.	२ पूर्वाषाढ़ 21-53 विनायक चतुर्थी **24** ४ गु.तेगबहादुर पु.दि.(न.मत) रवियोग 21-53 तक मकर चंद्र 28-27 भद्रा 8-26 से 21-22 तक
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	उग्रदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त 3,7,26,27,30 नवम्बर व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 2,3,5,7,15,17,21,30 स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त 2. रवि- देव उठनी एकादशी श्रद्धा ही मानव का श्रेष्ठ धन है।	१२ रेवती 12-34 रवियोग 12-34 तक **4** १४ बैकुंठ चतुर्दशी पंचक 12-34 तक मेष चंद्र 12-34 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 12-34 से भद्रा 22-37 से मे.चंद्रभागा प्रा.3 दिन	१९ पुष्य 18-18 सर्वार्थसिद्धियोग **11** ७ मार्गशीर्ष कृ.सप्तमी राजयोग, रवियोग भद्रा 11-33 तक	२६ स्वाती 31-59 मासशिवरात्रि **18** १३ मार्गशीर्ष कृ.त्रयोदशी संत ज्ञानेश्वर पु.दि. भद्रा 7-12 से 20-28 तक	३ उत्तराषाढ़ 23-57 नाग पंचमी(द.भा.) **25** ५ कुमारयोग,रवियोग मार्गशीर्ष शु.पंचमी श्रीराम जानकी विवाह गु.तेग बहादुर पु.दि.(प्रा.मत)
बुधवार Wednesday बुध	शीघ्र विवाह प्रयोग-आजकल लड़कियों का विवाह बड़ी आयु तक नहीं होने से माता पिता परेशान रहते हैं। अतः उनके लिए एक अनुभूत प्रयोग दिया जा रहा है। लड़की के शीघ्र विवाहार्थ मंदिर में कंबलासन पर बैठकर इस ''गौरी मंत्र'' का जाप	१३ अश्विनी 9-40 भरणी 30-34 **5** १५ गु.नानक ज. कार्तिक पू. मे.पुष्कर,कार्तिक स्नान पू. तुलसी विवाह पू.,सत्यव्रत भीष्म पंचक पू. केदार व्रत(उ.) देव दिवाली मन्वादि कार्तिक स्वा.दर्शन भद्रा 8-44 तक अहिछिका महापर्व पू.	२० अश्लेषा 18-35 मे.जयगढ़(आमेर) **12** ८ कालभैरवाष्टमी मार्गशीर्ष कृ.अष्टमी सिंह चंद्र 18-35 प्रथमाष्टमी(उ.) श्री कालभैरव ज. कालाष्टमी	२७ स्वाती 7-59 मे.पुरमंडल(काश्मीर) **19** १४ मार्गशीर्ष कृ.चतुर्दशी वृश्चिक चंद्र 28-14 पितृकार्य अमा. इंदिरा गांधी ज. श्री बाला ज.	४ श्रवण 25-33 श्री राम कलेवा **26** ६ संविधान दि. स्कंध षष्ठी व्रत राजयोग, रवियोग कुमारयोग अन्नपूर्णा व्रत प्रा. चंपा षष्ठी व्रत
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	प्रतिदिन प्रातः एवं सायं 3-3 माला लगातार 41-41 दिन के तीन अनुष्ठान करें। प्रत्येक अनुष्ठान के बाद छोटे लड़के व कन्याओं को मीठा भोजन व दक्षिणा के साथ फल देवें। गौरी मंत्र-''ॐ क्लीं हे गौरि शंकरार्धांगि यथा त्वं शंकर प्रिया	१४ कृत्तिका 27-28 व्यतिपात पुण्यं **6** १ मार्गशीर्ष कृ.प्रतिपदा यमघंट 27-28 तक वृष चंद्र 11-47 मे.चंद्रभागा पू.(झालावाड़)	२१ मघा 19-38 **13** ९ मार्गशीर्ष कृ.नवमी	२८ विशाखा 10-58 **20** ३० देवकार्य अमा. मार्गशीर्ष कृ.अमावस्या सर्वार्थसिद्धियोग 10-58 से	५ धनिष्ठा 26-32 नरसी मेहता ज. **27** ७ भानु सप्तमी मार्गशीर्ष शु.सप्तमी पंचक 14-07 से कुंभ चंद्र 14-07 भद्रा 24-30 से मित्र सप्तमी
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	। तथा मां कुरू कल्याणि कांत कांतां सुदुर्लभाम् क्लीं ॐ।।'' ग्रह के अनुसार रत्न-सूर्य- माणक, चंद्र-मोती, मंगल- मूंगा, बुध- पन्ना, गुरू- पुखराज, शुक्र- हीरा, शनि- नीलम, राहु-गोमेदक, केतु- लहसुनिया।	१५ रोहिणी 24-33 रोहिणी व्रत(जैन) **7** २ मार्गशीर्ष कृ.द्वितीया यमघंट 24-33 तक राजयोग 24-33 से भद्रा 21-16 से अशून्य शयन व्रत	२२ पूर्वाफाल्गुन 21-20 बाल दिवस **14** १० वैधृति पुण्यं मार्गशीर्ष कृ.दशमी कन्या चन्द्र 27-51 महावीर तप.कल्याणक दि.(जैन) भद्रा 12-08 से 24-50 तक वि.मधुमेह दि. पं.नेहरू ज.	२९ अनुराधा 13-55 **21** १ वि.दूरदर्शन दि. मार्गशीर्ष शु.प्रतिपदा चंद्रव्रत(पीड़िया प्रा.) सर्वार्थसिद्धियोग 13-55 तक	६ शतभिषा 26-49 पंचक **28** ८ दुर्गाष्टमी मार्गशीर्ष शु.अष्टमी रवियोग 26-49 से भद्रा 12-29 तक
शनिवार Saturday शनीचर	९ शतभिषा 18-20 रवियोग 18-20 तक **1** १० कार्तिक शु. देव उठनी एका.(स्मार्त) भीष्म पंचक प्रा. भद्रा 20-28 से पंचक	१६ मृगशिर 22-02 **8** ३-४ चतुर्थी व्रत मिथुन चंद्र 11-14 सौभाग्य सुंदरी व्रत द्वि.शनिवार भद्रा 7-32 तक बूंदी महोत्सव प्रा. चंद्रोदय 20-12	२३ उत्तराफाल्गुन 23-34 **15** ११ मार्गशीर्ष कृ. उत्पन्ना(वैतरणी)एका.व्रत पद्मप्रभु मोक्ष दि.(जैन) यमघंट 23-34 से	३० ज्येष्ठा 16-47 **22** २ चंद्रदर्शन मार्गशीर्ष शु.द्वितीया धनु चन्द्र 16-47 राष्ट्रीय मार्गशीर्ष प्रा.	७ पूर्वाभाद्र 26-22 श्री हरि ज. **29** ९ महानंदा नवमी मार्गशीर्ष शु.नवमी मीन चंद्र 20-33 रवियोग कल्पादि, पंचक

ता. याद्दास्ती
1............
2............
3............
4............
5............
6............
7............
8............
9............
10............
11............
12............
13............
14............
15............
16............
17............
18............
19............
20............
21............
22............
23............
24............
25............
26............
27............
28............
29............
30............

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए ''किशोर जंत्री (पंचांग)'' ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- ''सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन''

तबादला तंत्र -सूर्योदय से पहले स्नान कर शुद्ध वस्त्र पहन कर सूर्योदय के बाद सूर्य के सामने लाल मिर्च के कम से कम 21 बीज छोड़ दें और कहें कि हे! सूर्य देवता मेरा इस जगह से जल्द से जल्द तबादला हो जाना चाहिए। तीन दिन बराबर करें तो बहुत जल्द उस जगह से तबादला हो जायेगा।

सौभाग्य लक्ष्मी मंत्र-ॐ महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्नी च धीमहि। तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात्।

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
5. गुरू नानक जयन्ती	5. गुरू नानक जयन्ती	5. गुरू नानक जयन्ती	2. कालीदास जयंती (उत्सव) 5. गुरू नानक जयन्ती (अवकाश) 11. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (उत्सव) 14. बाल दिवस (उत्सव) 19. इंदिरा गांधी जयंती (उत्सव) 26. संविधान दिवस (उत्सव)	5. गुरू नानक जयंती 25. गुरू तेग बहादुर पु.दि. (ऐच्छिक)

राशि के अनुसार रत्न- मेष-मूंगा, वृष-हीरा, मिथुन-पन्ना, कर्क-मोती, सिंह-माणक, कन्या-पन्ना, तुला-हीरा, वृश्चिक-मूंगा, धनु- पुखराज, मकर- नीलम, कुंभ-नीलम, मीन-पुखराज। माणक,पन्ना,पुखराज व मूंगा को स्वर्ण की एवं हीरा, मोती रत्न को चांदी की अंगूठी में व शेष रत्न सप्त धातु में पहनें।

दिशाशूल परिहार-दिशाशूल में यात्रा करनी जरूरी हो तो रवि को घी, सोम को दूध, मंगल को गुड़,बुध को तिल, गुरू को दही, शुक्र को जौ, शनि को तेल की बनी वस्तु या उड़द खाकर जाने से दिशाशूल मिटता है। **दिशाशूल दान**- दिशाशूल में यात्रा करनी जरूरी हो तो रवि को पान, सोम को चंदन, मंगल को मिट्टी, बुध को पुष्प, गुरू को दही, शुक्र को घी, शनि को तिल दान करने से दिशाशूल मिटता है। **दिशाशूल विचार**- सोम, शनि पूर्व में, मंगल, बुध उत्तर में, गुरू दक्षिण में, रवि,शुक्र पश्चिम में, दिशाशूल होता है। दिशाशूल पीछे व बायां शुभ एवं सामने व दाहिने अशुभ होता है। इसका दोष सोम,मंगल,शनि को दिन में व गुरु,शुक्र,रवि को रात्रि में नहीं होता है। बुध को दोष लगता है।

चार वेद षट् शास्त्र में,बात मिली है दोय। दुःख दीने दुःख होत है, सुख दीने सुख होय।।

नवग्रहों का स्तुति मंत्र:-ॐ ब्रह्मा मुरारी त्रिपुरान्तकारी, भानुः शशिः भूमि सूतो बुधश्च गुरुश्च, शुक्रः शनि राहु केतवः सर्वे ग्रहाः शान्ति करा भवन्तु ।।

अचूक मन्त्र- ॐ ह्रीं बटुकाय आपद- -उद्धाणाय कुरूं कुरूं बटुकाय ह्रीं ॐ।।

अधिकृत थोक विक्रेता :-
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशकः-
किशोरी शरण एण्ड संस

श्री राहु का जप मंत्र :- ॐ रां राहवे नमः ।। ॐ गुरू ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः ।। (इस मंत्र से प्रेत बाधा दूर होती है और पागल को भी नींद आ जाती है।)

Composing By: Saurabh

।। श्री गणेशाय नमः ।। ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, सूर्य कोटि सम प्रभः । निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ।।

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
(10 मार्गशीर्ष से 10 पौष शाकः 1947)
(9 जमादि उल सानि से 10 रज्जब हिजरी सन् 1447)

कापी राईट नं. L-123018/2023

प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर
(मार्गशीर्ष शुक्ल ११ से पौष शुक्ल १२ तक)
(वि.सं.२०८२, हेमंत-शिशिर ऋतु, सूर्य दक्षिण-उत्तरायणे)

सरकारी छुट्टियों सहित

दिसंबर 2025

रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	शुभ विवाह मुहूर्त 4, 5, 6 दिसम्बर गृहारंभ (नीव) मुहूर्त 5, 6 दिसम्बर जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त 4,22,24,25,26,27,31 व्यापार प्रारम्भ मुहूर्त 5, 6, 8 दिसम्बर	१७ पुनर्वसु 28-11 चंद्रोदय 20-08 **7** ३ कर्क चंद्र 22-38 सर्वार्थसिद्धियोग झंडा दिवस भद्रा 7-51 से 18-25 तक चतुर्थी व्रत सौभाग्य सुंदरी व्रत	२२ हस्त 8-18 रा.ऊर्जा संरक्षण दि. **14** १० तुला चंद्र 21-41 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 18-50 तक पार्श्वनाथ ज.(जैन)	२९ पूर्वाषाढ 27-36 राजयोग 9-11 से **21** १ त्रिपुष्कर 27-36 से सर्वार्थसिद्धियोग शिशिर ऋतु प्रा. चंद्रदर्शन रणकपुर महोत्सव प्रा. सूर्य उत्तरायणे पौष शु.प्रतिपदा	८ उत्तराभाद्र 8-43 पंचक **28** ८ सर्वार्थसिद्धियोग 8-43 तक रवियोग 8-43 से जोड़ मेला पू.(पं.) दुर्गाष्टमी शाकंभरी देवी नवरात्र प्रा.
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	९ रेवती 23-18 व्यतिपात पुण्यं **1** ११ पंचक 23-18 तक मेष चन्द्र 23-18 मोक्षदा एका.व्रत वि.एड्स दि. भद्रा 8-20 से 19-01 तक गीता ज. कुंभलगढ़ महोत्सव प्रा. मौनी एका. मार्गशीर्ष शु.एकादशी	१४ पुष्य 26-52 **8** ४ सर्वार्थसिद्धियोग 26-52 तक पौष कृष्ण चतुर्थी	२३ चित्रा 11-08 धनु मल मास प्रा. **15** ११ धनु संक्रांति सरदार पटेल पु.दि. सफला एका.व्रत पौष कृ.एकादशी	१ उत्तराषाढ 29-32 रा.पौष मास प्रा. **22** २ मकर चन्द्र 10-06 उर्स मेला प्रा.(अजमेर) सर्वार्थसिद्धियोग रा.गणित दि. रणकपुर महोत्सव पू. रामानुजन ज. रवियोग 29-32 से	८ रेवती 7-41 यमघंट 7-41 से **29** ९ अमृतसर्वार्थसिद्धियोग पंचक 7-41 तक मेष चंद्र 7-41 शरद् उत्सव प्रा.(मा.आबू) रवियोग,कुमारयोग श्री हरि ज. पौष शु.नवमी
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	१० अश्विनी 20-51 रवियोग 20-51 से **2** १२ अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 20-51 तक भौम प्रदोष व्रत अखंड,व्यंजन द्वादशी दान द्वादशी(उ.) मत्स्य द्वादशी मार्गशीर्ष शु.द्वादशी	१८ अश्लेषा 26-22 कुमारयोग,रवियोग **9** ५ सिंह चंद्र 26-22 सर्वार्थसिद्धियोग डॉ.राजगोपालाचार्य ज. पौष कृष्ण पंचमी	२४ स्वाती 14-09 **16** १२ त्रिपुष्कर 14-09 से पौष कृ.द्वादशी	४ श्रवण 31-07 रवियोग 31-07 तक **23** ३ चौ.चरण सिंह ज. भद्रा 24-45 से किसान दिवस विनायक चतुर्थी पौष शु.तृतीया	९ भरणी 27-58 त्रिपुष्कर29-01से **30** १०-११ उर्स मेला पू.(अजमेर) रवियोग 27-58 तक भद्रा 18-29से29-01तक पुत्रदा एका.व्रत(स्मा.) सूर्य पूजा(उ.) शाम्ब दशमी(उ.) मन्वादि शरद् उत्सव पू.(मा.आबू)
बुधवार Wednesday बुध	११ भरणी 18-00 भरणी दीपम्(द.भा.) **3** १३ वृष चन्द्र 23-14 सर्वार्थसिद्धि,रवियोग कृत्तिका दीपम्(द.भा.) डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ज. वि.विकलांग दि. कुंभलगढ़ महोत्सव पू.	१८ मघा 26-44 वि.मानवाधिकार दि. **10** ६ कुमारयोग,रवियोग वैधृति पुण्यं भद्रा 13-47 से 25-46 तक राजयोग 26-44 से	२५ विशाखा 17-11 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग **17** १३ वृश्चिक चंद्र 10-26 भद्रा 26-33 से श्री चंद्रप्रभु ज. प्रदोष व्रत पौष कृ.त्रयोदशी	४ धनिष्ठा 32-18 पंचक 19-46 से **24** ४ कुंभ चंद्र 19-46 भद्रा 13-11 तक क्रिसमस ईव रा.उपभोक्ता दि. पौष शु.चतुर्थी	१० कृत्तिका 25-30 नववर्ष पूर्व संध्या **31** १२ वृष चंद्र 9-23 पुत्रदा एका.व्रत(वै.) सर्वार्थसिद्धियोग 25-30 तक पौष शु.द्वादशी
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	१२ कृत्तिका 14-54 संभवनाथ ज. **4** १४-१५ रवियोग 14-54 तक यमघंट 14-54 तक नौ सेना दिवस भद्रा 8-38 से 18-41 तक अन्नपूर्णा ज. सत्यव्रत त्रिपुरभैरव,दत्तात्रेय ज.	१९ पूर्वाफाल्गुन 27-55 **11** ७ वि.पर्वत दि. ★शुक्र अस्त पूर्व में कालाष्टमी पौष कृष्ण सप्तमी	२५ अनुराधा 20-07 **18** १४ सर्वार्थसिद्धियोग 20-07 तक भद्रा 15-48 तक मासशिवरात्रि पौष कृ.चतुर्दशी	६ धनिष्ठा 8-18 बड़ा दिन **25** ५ रवियोग 8-18 से ईसा ज. पं.मालवीय ज. पंचक क्रिसमस दिवस पौष शु.पंचमी	सभी विभागों में अवकाश 25. क्रिसमस दिवस राज.सरकार की छुट्टियाँ 14. पार्श्वनाथ जयंती (ऐ.) 27. गुरू गोविंद सिंह जयंती शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ 1. विश्व एकता दिवस (उ.) 10. मानवाधिकार दिवस (उ.) 11. से 23.अर्द्धवार्षिक परीक्षा 27. गु.गोविंद सिंह जयंती सिविल,हाईकोर्ट की छुट्टियाँ 14. पार्श्वनाथ जयंती (ऐ.) 23.से31.शीत.अव.(हाईकोर्ट) 25.से31.शीत.अव.(सिविल) 27. गुरू गोविंद सिंह ज. (ऐ.) भारत सरकार की छुट्टियाँ 24. क्रिसमस ईव (ऐच्छिक) 27. गुरू गोविंद सिंह जयंती
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	१३ रोहिणी 11-46 राजयोग **5** १ यमघंट 11-46 तक मिथुन चंद्र 22-15 कुमारयोग11-46 तक रोहिणी व्रत (जैन) रसिक माधुरी ज. पौष कृष्ण प्रतिपदा	२० उत्तराफाल्गुन 29-50 **12** ८ कन्या चंद्र 10-20 जिन सागर पु.दि. (जैन) पौष कृष्ण अष्टमी	२८ ज्येष्ठा 22-51 वकुला अमा.(उ.) **19** ३० धनु चंद्र 22-51 कालबा देवी यात्रा (मुंबई) देवपितृकार्य अमा. पौष कृ.अमावस्या	७ शतभिषा 9-00 अनुरूपा छठ्(बं.) **26** ६ रवियोग 9-00 तक मीन चंद्र 27-10 जोड़ मेला प्रा.(पं.) पंचक कुमारयोग 9-00 से	
शनिवार Saturday शनीचर	१४ मृगशिर 8-48 आर्द्रा 30-13 **6** २ द्विपुष्कर 8-48 तक अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 8-48 से पौष कृ.द्वितीया	२१ हस्त 32-18 **13** ९ यमघंट 31-09 तक भद्रा 29-41 से द्वि.शनिवार पौष कृष्ण नवमी	२८ मूल 25-21 **20** १ पौष शु.प्रतिपदा	७ पूर्वाभाद्र 9-09 त्रिपुष्कर 9-09 तक **27** ७ गु.गोविंद सिंह ज.(प्र.मत) भद्रा 13-10 से 24-40 तक पंचक पौष शु.सप्तमी	अभिजित मुहूर्त- सूर्योदय व सूर्यास्त के मध्याह्न में 24 मिनट पूर्व के व 24 मिनट बाद तक का समय अभिजित मुहूर्त होता है। इसमें किये सभी कार्य सिद्ध होते हैं।

ता. याद्‌दास्ती

1.......................
2.......................
3.......................
4.......................
5.......................
6.......................
7.......................
8.......................
9.......................
10.......................
11.......................
12.......................
13.......................
14.......................
15.......................
16.......................
17.......................
18.......................
19.......................
20.......................
21.......................
22.......................
23.......................
24.......................
25.......................
26.......................
27.......................
28.......................
29.......................
30.......................
31.......................

दुकान की छुट्टी व समय छूट

22. से 30. मे.उर्स(अजमेर)
24. व 25. क्रिसमस दिवस

भाग्यवर्धक (छत्तीसा) यंत्र

१५	८	१३
१०	१२	१४
११	१६	९

इस भाग्यवर्धक यंत्र को चांदी की अंगूठी पर खुदवा कर रवि पुष्य या गुरू पुष्य में धारण करने से भाग्योदय होता है।

दिन का चौघड़िया (सूर्योदय से सूर्यास्त तक)

वार	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम्	षष्ठम्	सप्तम्	अष्ठम्
रवि	उद्वेग	चंचल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोम	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चंचल	लाभ	अमृत
मंगल	रोग	उद्वेग	चंचल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुध	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चंचल	लाभ
गुरू	शुभ	रोग	उद्वेग	चंचल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्र	चंचल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चंचल
शनि	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चंचल	लाभ	अमृत	काल

रात्रि का चौघड़िया (सूर्यास्त से सूर्योदय तक)

वार	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम्	षष्ठम्	सप्तम्	अष्ठम्
रवि	शुभ	अमृत	चंचल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोम	चंचल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चंचल
मंगल	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चंचल	रोग	काल
बुध	उद्वेग	शुभ	अमृत	चंचल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरू	अमृत	चंचल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्र	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चंचल	रोग
शनि	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चंचल	रोग	काल	लाभ

दिन के आठवें भाग का एक दिन में व रात्रि के आठवें भाग का एक रात्रि में एक चौघड़िया होता है।

पक्षी शकुन

पद मंगल, धन पूंछ पर, निधन पंख, सिर राज।
मुख दुख, भोजन उदर पर, ग्रीवा सुदृढ़ समाज।।

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532

प्रकाशक:- किशोरी शरण एण्ड संस

श्री केतु का जप मंत्र :- ॐ कें केतवे नमः ।। (काम, क्रोध, मद, अहंकार, लोभ, मोह, ईर्ष्या, द्वेष से विवेक व स्मरण शक्ति का नाश होता है।)

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए ''किशोर जंत्री (पंचांग)'' ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- ''सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन''

Composing By: Saurabh